हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

निर्भीक, निष्पक्ष, सच का प्रवाह

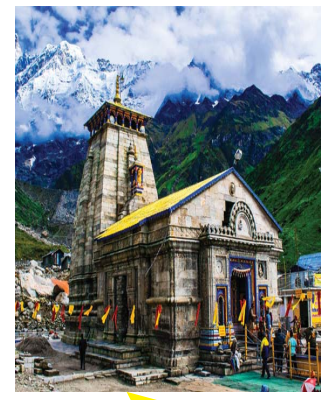

वर्ष:5 अंक:158 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये | pathpravah.com | हरिद्वार, रविवार, 14 जून 2026

अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खेल आयोजनों से उत्तराखण्ड बनेगा साहसिक खेलों और पर्यटन का प्रमुख केंद्र: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गदरपुर में अंतर्राष्ट्रीय क्याकिंग एवं कैनोइंग प्रतियोगिता की तैयारियों का लिया जायजा

पथ प्रवाह, उधमसिंह नगर।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को ऊधम सिंह नगर जनपद के गदरपुर क्षेत्र में आयोजित होने वाली अंतर्राष्ट्रीय क्याकिंग एवं कैनोइंग प्रतियोगिता की तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने आयोजन स्थल पर पहुंचकर प्रतियोगिता से संबंधित विभिन्न तैयारियों, खिलाड़ियों के लिए की जा रही सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था, तकनीकी व्यवस्थाओं, आवागमन, ठहरने की व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक प्रबंधों का बारीकी से निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए सभी तैयारियां निर्धारित मानकों के अनुरूप समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाएं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, निर्णायकों एवं देश-

विदेश से आने वाले प्रतिभागियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्वयं भी वाटर स्पोर्ट्स गतिविधियों का अनुभव लिया और कहा कि उत्तराखण्ड में साहसिक खेलों की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। राज्य की प्राकृतिक परिस्थितियां जल क्रीड़ा, पर्वतीय खेल और एडवेंचर स्पोर्ट्स के लिए अनुकूल हैं। इस दिशा में सरकार द्वारा खेल सुविधाओं के विस्तार और आधुनिक खेल अवसंरचना विकसित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि उत्तराखण्ड को खेलों के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिलाई जाए। इसके लिए खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, सुविधाएं और अवसर उपलब्ध कराने के साथ-साथ बड़े स्तर की प्रतियोगिताओं के आयोजन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं प्रदेश के युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करती हैं और उन्हें वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से केवल खेल गतिविधियों को ही बढ़ावा नहीं मिलता, बल्कि प्रदेश में पर्यटन, स्थानीय व्यवसाय, रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिलती है। उत्तराखण्ड की पहचान एक साहसिक पर्यटन राज्य के रूप में और अधिक मजबूत होगी तथा देश-विदेश के पर्यटक यहां की प्राकृतिक सुंदरता के साथ-साथ खेल गतिविधियों से भी जुड़ेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार खेलों को जन-जन तक पहुंचाने और युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए कई स्तरों पर कार्य कर रही है। खेल प्रतिभाओं को चिन्हित कर उन्हें आगे बढ़ाने, प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराने और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में लगातार कदम उठाए जा रहे हैं।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रतियोगिता स्थल पर स्वच्छता, पेयजल, चिकित्सा सुविधा, सुरक्षा, यातायात प्रबंधन सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं उच्च गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित की जाएं, ताकि यह आयोजन उत्तराखण्ड की बेहतर कार्य संस्कृति और आतिथ्य का उदाहरण बने। इस अवसर पर विधायक अरविन्द पांडेय सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

एक नजर

विधायक अरविंद पांडेय के आवास पर पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

पथ प्रवाह, गदरपुर। ऊधम सिंह नगर में आयोजित होने वाली अंतर्राष्ट्रीय क्याकिंग एवं कैनोइंग प्रतियोगिता की तैयारियों के स्थलीय निरीक्षण के उपरांत मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विधायक अरविंद पांडेय के आवास पहुंचकर उनके परिजनों से आत्मीय भेंट की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने परिवारजनों का कुशलक्षेम जाना और आत्मीय संवाद किया। उन्होंने परिवार के नौनिहालों से मिलकर उन्हें स्नेह एवं शुभाशीष प्रदान किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य, सफलता और अच्छे स्वास्थ्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

वायु सेना का मालवाहक विमान दुर्घटनाग्रस्त, पांच वायुसेना कर्मी शहीद

नयी दिल्ली। वायु सेना का एक माल वाहक विमान ए एन 32 शनिवार को असम के जोरहाट वायु सेना स्टेशन में दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसमें सवार पांच वायु सेनाकर्मी शहीद हो गये। हादसे में शहीद हुए वायुसेनाकर्मियों में दो अग्निवीर वायु भी शामिल हैं। वायु सेना के प्रवक्ता ने बताया कि इस दुर्घटना में स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह, फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार, सार्जेंट जितेंद्र शर्मा, अग्निवीरवायु खेमाराम कुमावत और अग्निवीरवायु दानिश आलम ने कर्तव्य की वेदी पर सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि वायु सेना को इस दुर्घटना में पांच वायुयोद्धाओं को खोने का गहरा दुख है। भारतीय वायु सेना शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती है और दुख की इस घड़ी में मजबूती से उनके साथ खड़ी है। प्रवक्ता ने कहा है कि दुर्घटना की जांच के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी का गठन किया गया है। यह मालवाहक विमान सुबह दस बजे के करीब जोरहाट वायु सेना स्टेशन पर उतरने के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हुआ। विमान के उतरते समय इसमें आग लग गयी, जिससे यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान की दुर्घटना के कारणों का अभी पता नहीं चला है। यह विमान नियमित उडान पर था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विश्व में बनाई मजबूत पहचान : मुख्यमंत्री

पथ प्रवाह, खटीमा

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खटीमा के बग्घा चौवन में '12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के' कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित विशेष जनसंपर्क अभियान में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में पहुंचने पर क्षेत्रवासियों ने मुख्यमंत्री का छोलिया एवं थारू सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुतियों तथा पुष्पमालाओं से भव्य स्वागत किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि वह दो दिवसीय खटीमा प्रवास पर हैं और अपने प्रवास के कार्यक्रमों की शुरुआत बग्घा चौवन से कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण हुए हैं। इन 12 वर्षों में प्रधानमंत्री जी ने देशहित में अनेक ऐतिहासिक एवं दूरगामी निर्णय लिए हैं, जिनसे भारत आज विश्व में एक मजबूत शक्ति के रूप में उभरकर सामने आया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पदभार ग्रहण करने के बाद से ही जनकल्याण को केंद्र में रखते हुए अनेक महत्वपूर्ण योजनाओं और अभियानों की शुरुआत की। मातृ शक्ति को सशक्त बनाने के उद्देश्य से 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान शुरू किया गया, जिससे बेटियों के सम्मान, सुरक्षा और उन्हें आगे बढ़ने के अवसर सुनिश्चित हुए हैं।

उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान के माध्यम से देशभर में स्वच्छता को जनआंदोलन बनाया गया और करोड़ों परिवारों को शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराई गई। इसी प्रकार प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से माताओं और बहनों को धुएं से मुक्ति दिलाने का कार्य किया गया। हर घर जल योजना के माध्यम से दूरस्थ और जल संकट वाले क्षेत्रों तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का अभियान चलाया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से देश के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उत्तराखंड में भी प्रत्येक पात्र नागरिक को पांच लाख रुपये तक की निःशुल्क उपचार सुविधा मिल रही है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान योजना दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजनाओं में से एक है, जिसने गरीब और जरूरतमंद परिवारों को बड़ी राहत दी है।

उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के कठिन दौर में जब पूरी दुनिया प्रभावित थी और लोगों के रोजगार पर संकट आया था, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह सुनिश्चित किया कि कोई भी व्यक्ति भूखा न रहे। इसी उद्देश्य से प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना शुरू की गई, जिसके माध्यम से करोड़ों लोगों को निःशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना काल में भारत ने स्वदेशी वैक्सीन तैयार कर देशवासियों को निःशुल्क टीकाकरण की सुविधा उपलब्ध कराई तथा विश्व के अनेक देशों को भी वैक्सीन उपलब्ध कराकर वैश्विक सहयोग और विश्व बंधुत्व का संदेश दिया। मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से उत्तराखंड में भी अनेक ऐतिहासिक कार्य किए गए हैं। राज्य सरकार ने समान नागरिक संहिता लागू करने का निर्णय लिया है। युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने और भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया गया, जिसके परिणामस्वरूप नकल माफियाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए कई लोगों को जेल भेजा गया है।

उन्होंने कहा कि राज्य में अब तक 33 हजार से अधिक युवाओं को पारदर्शी एवं निष्पक्ष प्रक्रिया के माध्यम से सरकारी सेवाओं में नियुक्तियां दी जा चुकी हैं। सरकार का प्रयास है कि प्रत्येक क्षेत्र में विकास की गति तेज हो और अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बग्घा चौवन क्षेत्र में भी मूलभूत सुविधाओं के विस्तार और विकास कार्यों को गति देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि क्षेत्रवासियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, दर्जा राज्यमंत्री रंजीत सिंह नामधारी, प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश भट्ट, राजपाल सिंह, श्रीमती विमला बिष्ट, सोमनाथ मौर्य, मोहन सिंह चुफाल, देवेंद्र सिंह, मुख्य विकास अधिकारी देवेश शाशनी, अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. उत्तम सिंह नेगी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. के.के. अग्रवाल, उपजिलाधिकारी तुषार सैनी, हिमांशु कफल्टिया सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर

धर्म की आड़ में आस्था से खिलवाड़, 21 कालनेमि ढोंगी बाबा हिरासत में

पथ प्रवाह, हरिद्वार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निर्देशानुसार चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के अंतर्गत धर्म एवं आस्था की आड़ में लोगों को भ्रमित कर उनकी धार्मिक भावनाओं का शोषण करने वाले छद्म वेशधारी व्यक्तियों के विरुद्ध अभियान चलाया गया।

इसी क्रम में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर के नेतृत्व में कोतवाली नगर क्षेत्र में व्यापक चेकिंग एवं सत्यापन अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान साधु-संतों का वेश धारण कर लोगों, विशेषकर महिलाओं एवं युवाओं को घरेलू, पारिवारिक एवं व्यक्तिगत समस्याओं के समाधान का झूठा प्रलोभन देकर गुमराह करने वाले 21 कालनेमि ढोंगी बाबाओं को हिरासत में लिया गया। सभी आरोपियों के विरुद्ध धारा 172(2) ब्नहस्स् के अंतर्गत वैधानिक कार्रवाई की गई है।

शराब के धंधे संलिप्त तीन आरोपितों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद हरिद्वार द्वारा ऑपरेशन प्रहार के तहत मादक पदार्थ के धंधे में संलिप्त से सम्बन्धित दिये गये दिशा निर्देश के क्रम में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर के कुशल नेत्तृव में कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में दिनाँक 12/13-06-26 को कोतवाली नगर हरिद्वार पुलिस द्वारा शराब के धंधे में संलिप्त तीन आरोपितों को अवैध देशी शराब के साथ अलग-अलग स्थानों से पकड़ा गया। आरोपितों के विरुद्ध कोतवाली नगर हरिद्वार में अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। आरोपित का नाम बागेश्वर पुत्र रामकुमार ग्राम अलीपुरा थाना नजीबाबाद जिला बिजनौर हाल निवासी सोमपाल का मकान राजीव नगर कोतवाली ज्वालापुर हरिद्वार, कमल पुत्र रामपाल कश्यप निवासी टंकी नंबर 6 मायापुर कोतवाली नगर हरिद्वार, राज चौरसिया पुत्र संदीप चौरसिया निवासी सुभाष नगर थाना ज्वालापुर हरिद्वार बताया है। इनके पास से अवैध देशी शराब बरामद हुई है। पुलिस टीम में कुन्दन सिंह राणा प्रभारी निरीक्षक, उ0नि0 ऋषिकाँन्त पटवाल, हे0का0 शूरवीर सिंह,कानि0 आनन्द तोमर, कानि0 जसवीर चौहान शामिल रहे।

लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए एसएसपी ने भरा गणना फार्म

पथ प्रवाह, हरिद्वार। निर्वाचन आयोग के निर्देशो के अनुपालन एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में जनपद में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य बीएलओ के माध्यम से घर-घर जाकर त्वरित गति से किया जा रहा है।

बीएलओ कविता पाल शनिवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ढ्ढक्र) 2026 कार्यक्रम के अंतर्गत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार नवनीत सिंह भुल्लर के आवास पहुंची और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी द्वारा गणना प्रपत्र भरा गया।

इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने सभी जनपद वासियों से विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत गणना प्रपत्र भर कर बीएलओ का सहयोग करने की अपील की है। इस अवसर पर बीएलओ कविता पाल, सहायक नोडल अधिकारी मीडिया गोविन्द कुर्ल और स्वीप प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. संतोष कुमार चमोला उपस्थित रहे।

वीकेंड और सोमवती अमावस्या स्नान पर्व पर रिक्रूट आरक्षी भी संभालेंगे कमान, एसएसपी ने किया ब्रीफ

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

हरिद्वार में वीकेंड एवं सोमवती अमावस्या स्नान पर्व के दौरान संभावित भारी श्रद्धालु भीड़ को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार नवनीत सिंह द्वारा 40 वाहिनी पीएसी एवं पुलिस लाइन रोशनाबाद में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे लगभग 450 रिक्रूट आरक्षियों को ब्रीफ किया गया।

ब्रीफिंग के दौरान एसएसपी ने रिक्रूट आरक्षियों को पर्व ड्यूटी के महत्व से अवगत कराते हुए कहा कि हरिद्वार आपकी प्रशिक्षण के दौरान प्रथम ड्यूटी है जिससे आपको और अधिक सीखना है यह तुम्हारा प्रैक्टिकल है आपको आने वाले आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता में रखना है। जो आपके सीनियर आपसे काहे उसका अनुसरण करना है उन्होंने सभी जवानों को ड्यूटी के दौरान अनुशासित, सतर्क एवं जिम्मेदार रहकर कार्य करने के निर्देश दिए।

एसएसपी ने कहा कि श्रद्धालुओं के साथ विनम्र व्यवहार रखते हुए उनकी सहायता करना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों, घाटों, पार्किंग स्थलों एवं प्रमुख मार्गों पर विशेष सतर्कता बरतने, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना देने के निर्देश दिए गए।

ब्रीफिंग के दौरान अधिकारियों द्वारा रिक्रूट आरक्षियों को पर्व ड्यूटी के दौरान अपनाई जाने वाली कार्यप्रणाली, भीड़ नियंत्रण के उपाय तथा आपदा एवं आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी भी प्रदान की गई। हरिद्वार पुलिस आगामी स्नान पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने हेतु पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। ब्रीफ़िंग के दौरान पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी सदर आदि अधिकारी मौजूद रहे।

सीवरेज के लिए खोदी गई सड़कों को तेजी से किया जा रहा ठीक

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

हरिद्वार शहर के अंतर्गत सीवरेज कार्य हेतु खोदी गई सड़कों से क्षेत्रीय जनता, व्यापारियों को हो रही परेशानी के दृष्टिगत जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने निर्माण कार्यों को त्वरित गति से पूर्ण करने के निर्देश दिये हैं। जिसके अनुपालन में कार्य तीव्र गति से किए जा रहे है।

परियोजना प्रबंधक निर्माण एवं अनुरक्षण इकाई गंगा उत्तराखंड पेयजल निगम मिनाक्षी मित्तल ने अवगत कराया है कि जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में केएफडब्लयू वित्त पोषित हरिद्वार जलोत्सारण योजना पैकेज 01 एवं पैकेज 02 के अंतर्गत कराए जा रहे सड़क पुनर्निर्माण संबंधी कार्य जिसके तहत 12 जून को किए गए निर्माण कार्यों का विवरण निम्नवत है जिसमें- पैकेज 01 के अंतर्गत हैं मंदिर से

एनएचएआई रोड अमृत गंगा बी टी रोड वर्क 70 मीटर, ऋषिकुल कॉलोनी (सीसी रोड एम 30) 33 मीटर,नियर एसपीएस पुलिया भूपतवाला (सीसी रोड एम 30) 19.1 मीटर कार्य पूर्ण हो चुका है,कुल 122.19 मीटर कार्य पूर्ण हो चुका है तथा पैकेज 02 के अंतर्गत गणपतिधाम फेस 3 पावर ब्लॉक 22 मीटर,राजविहार फेस 1 पावर ब्लॉक 19 मीटर कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा कुल 41 मीटर कार्य पूर्ण कर लिया गया है। सड़कों का कार्य दिन-रात त्वरित गति से किए जा रहे है।

अवैध गांजे के साथ एक नशा तस्कर गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार नवनीत सिंह के निर्देशन में जनपद में चलाए जा रहे 'ऑपरेशन प्रहार' अभियान के अंतर्गत नशा तस्करों पर कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर कुन्दन सिंह राणा के नेतृत्व में कार्रवाई की गई।

कोतवाली नगर पुलिस ने नशा तस्करों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए एक तस्कर को भारी मात्रा में अवैध गांजे के साथ दबोचा। दिनांक 12/13.06.2026 की रात्रि में पुलिस टीम सर्वानंद घाट पार्किंग क्षेत्र में गश्त एवं संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पार्किंग के पीछे स्थित खाली प्लॉट से झुग्गी बस्ती की ओर जाते समय पुलिस टीम

की टॉर्च की रोशनी में एक व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिया। पुलिस को देखकर वह अपने पास रखा बैग उठाकर भागने लगा। संदेह होने पर पुलिस कर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए पीछा कर उसे घेराबंदी कर पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके बैग से पत्तीदार पदार्थ बरामद हुआ, जिसकी जांच एवं वजन करने पर कुल 7.966 किलोग्राम अवैध गांजा पाया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम प्रमोद साहनी पुत्र रामबिलास साहनी निवासी खुड़बुड़ा मोहल्ला, कांवली रोड, कोतवाली नगर, जनपद देहरादून तथा वर्तमान पता बंगाली बस्ती, मोतीचूर, थाना रायवाला, जिला देहरादून बताया। आरोपी के विरुद्ध कोतवाली नगर हरिद्वार में एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत मु0अ0सं0-298/2026 अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस टीम में कुन्दन सिंह राणा - प्रभारी निरीक्षक, कोतवाली नगर हरिद्वार, ?उ0नि0 नवीन नेगी, ?का0 सन्दीप रावत, ?का0 पवनीश कवि शामिल रहे।

मेयर किरण जैसल ने किया नाला सफाई कार्य का निरीक्षण

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

नगर निगम द्वारा मानसून से पूर्व नाले नालियों की सफाई करायी जा रही है। शनिवार को मेयर किरण जैसल ने रेलवे रोड़ पर चल रहे नाला सफाई कार्य का निरीक्षण किया। मेयर किरण जैसल ने नालों की तली झाड़ सफाई करने तथा सफाई के दौरान निकलने वाली गंदगी का तुरंत निस्तारण करने के निर्देश दिए। निर्देश देते हुए मेयर ने कहा कि मानसून शुरू होने वाला है। इसलिए सभी नालों की तली झाड़ सफाई की जाए। जिससे बरसात के दौरान जलभराव की समस्या का सामना ना करना पड़े। उन्होंने कहा कि धर्मस्थली होने के कारण हरिद्वार में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और यात्री पहुंचते हैं। ऐसे में शहर की सफाई व्यवस्था बेहतर होनी चाहिए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने व्यापारियों से भी दुकानों का कूड़ा इधर-उधर ना फेंकने और सफाई सफाई व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की। कहा कि धर्मनगरी को स्वच्छ और सुंदर बनाने में सभी की सहभागिता जरूरी है।

एक नजर

चारधाम यात्रा के लिए 3938 यात्रियों ने कराया पंजीकरण

पथ प्रवाह, हरिद्वार। हरिद्वार ऋषिकुल मैदान में बनाए गए यात्री पंजीकरण केंद्र में शनिवार को चारधाम यात्रा के लिए 3938 यात्रियों ने अपना पंजीकरण कराया। यमुनोत्री धाम के लिए 647, गंगोत्री धाम के लिए 676, केदारनाथ धाम के लिए 1263, बद्रीनाथ धाम के लिए 1332 और हेमकुंड साहिब के लिए 20 यात्रियों ने अपना पंजीकरण कराया। इस प्रकार शनिवार को कुल 3938 यात्रियों द्वारा चारधाम के लिए अपना पंजीकरण कराया गया। ऋषिकुल मैदान यात्री पंजीकरण केंद्र से अब तक कुल 4 लाख 25 हजार 6 सौ 83 यात्रियों ने चारधाम यात्रा के लिए अपना पंजीकरण कराया है।

सामाजिक कार्यकर्ता ने दलित युवक हत्या मामले में कांग्रेस पर लगाया दोहरा रवैया अपनाने का आरोप

पथ प्रवाह, हरिद्वार। सामाजिक कार्यकर्ता राजबीर सिंह कटारिया ने टिहरी गढ़वाल में दलित युवक की हत्या के मामले में कांग्रेस पर दोहरे रवैये के आरोप लगाए हैं। राजबीर सिंह कटारियों ने कहा कि एक ओर पार्टी के नेता हरिद्वार में धरना देकर न्याय की मांग कर रहे हैं, वहीं जिस क्षेत्र में घटना हुई, वहां के कांग्रेस विधायक विक्रम नेगी पीड़ित परिवार से मिलने तक नहीं पहुंचे। राजबीर सिंह कटारिया ने कहा कि उनका किसी राजनीतिक दल से कोई संबंध नहीं है और उनका उद्देश्य केवल समाज के हित और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग उठाना है। उन्होंने कहा कि जाति और राजनीति से ऊपर उठकर समाज को ऐसी घटनाओं के खिलाफ एकजुट होना चाहिए तथा जनप्रतिनिधियों को भी संवेदनशीलता दिखाते हुए पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा होना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि किसी भी राजनीतिक दल से ऊपर समाज और मानवता होती है। किसी पीड़ित परिवार के दुख में शामिल होना हर जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी है। यदि कांग्रेस खुद को दलितों और कमजोर वर्गों की हितैषी बताती है तो उसे यह स्पष्ट करना चाहिए कि उसके स्थानीय जनप्रतिनिधि ने पीड़ित परिवार के प्रति क्या कदम उठाए। उन्होंने कहा कि धरना-प्रदर्शन करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन केवल राजनीतिक संदेश देने के बजाय पीड़ित परिवार की सहायता और सांत्वना को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। प्रशासन की कार्रवाई की सराहना करते हुए राजबीर सिंह कटारिया ने कहा कि जिला प्रशासन, पुलिस अधिकारियों और संबंधित अधिकारियों ने मामले में गंभीरता दिखाई है। पुलिस अब तक चार आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है तथा अन्य संभावित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई जारी है। उन्होंने मांग की कि घटना में शामिल कोई भी दोषी बचना नहीं चाहिए। जांच में जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाए, उसके खिलाफ कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

प्रैस क्लब में नि :शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन आज

पथ प्रवाह, हरिद्वार। पत्रकारों और उनके परिवारों के लिए रविवार को प्रैस क्लब में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। प्रैस क्लब अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी एवं महामंत्री सूर्यकांत बेलवाल ने जनकारी देते हुए बताया कि स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन एसपी सिटी अभय प्रताप सिंह करेंगे। उन्होंने बताया कि सवेरे साढ़े दस बजे से दो बजे तक आयोजित किए जा रहे स्वास्थ्य शिविर में मेदांता द मेडिसिटी गुरूग्राम अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सक एवं उनकी टीम रक्तचाप, रैंडम ब्लड शुगर, बॉडी मास इंडेक्स, फेफड़ों की कार्यक्षमता एवं ब्रीथोमीटर, बोन मिनरल डेंसिटी, ईसीजी, कार्डियोलॉजी आदि सभी जांच निःशुल्क की जाएंगी। प्रैस क्लब अध्यक्ष एवं महामंत्री ने सभी पत्रकारों से पारिवारिक सदस्यों के साथ शिविर का लाभ उठाने की अपील की।

मर्यादा, धर्म, कर्तव्य, भक्ति और त्याग का संदेश देती है राम कथा-स्वामी कैलाशानंद गिरी

पथ प्रवाह, हरिद्वार। श्री दक्षिण काली मंदिर में आयोजित राम कथा के आठवें दिन श्रद्धालु भक्तों को रावण द्वारा माता सीता के हरण और लंका दहन का प्रसंग सुनाते हुए कथाव्यास निरंजन पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी महाराज ने कहा कि राम कथा का प्रत्येक प्रसंग जीवन में अनुकरणीय है। भगवान राम की कथा कथा के श्रवण से आध्यात्मिक ज्ञान व प्रेरणा मिलती है। माता सीता के हरण के बाद उनकी तलाश के दौरान भगवान राम ने माता शबरी के झूठे बेर खाकर भेदभाव मिटाने और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। वहीं माता सीता को रावण के चंगुल से छुड़ाने के दौरान जटायु के बलिदान से हमें धर्म के लिए सर्वस्व न्यौछावर करने की प्रेरणा मिलती है। लंका दहन के प्रसंग से सीख मिलती है कि अहंकारी और विधर्मी व्यक्ति का विनाश निश्चित है। हनुमान जी और भगवान राम का मिलन भक्त और भगवान के रिश्ते की पराकाष्ठा को दर्शाता है। स्वामी कैलाशानंद गिरी महाराज ने कहा कि भगवान विष्णु के अवतार भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपनाकर आदर्श समाज की रचना में सहयोग दें। स्वामी कैलाशानंद गिरी के शिष्य स्वामी अवंतिकानंद ब्रह्मचारी ने बताया कि बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त कथा श्रवण के लिए पहुंच रहे हैं। कथा का समापन 14 जून को होगा।

आपदा प्रबंधन को मजबूत करने के लिए 5 दिवसीय रेस्क्यू प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में जनपद में आपदा प्रबंधन को मजबूत करने के लिए आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण विभाग एवं राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के संयुक्त तत्वावधान में आपदा मित्र / ग्रामीण स्वयंसेवकों के लिए 05 दिवसीय आपदा प्रबन्धन, खोच-बचाव प्राथमिक सहायता, एवं वाटर रेस्क्यू प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ आपदा प्रबंधन सभागार में किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अध्याय सत्र में आपदा प्रबन्धन अधिकारी, हरिद्वार मीरा रावत द्वारा सभी ट्रेनर तथा प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आपदा मित्रों को आपदा प्रबन्धन के तहत खोज एवं बचाव की बाढ़ प्रबन्धन, जल जनित आपदाओं से निपटने के लिए आवश्यक ज्ञान एवं वाटर रेस्क्यू आदि का सैद्धांतिक व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान कर उनकी क्षमता की वृद्धि करना है साथ ही किसी भी आपदा की स्थिति में जनपद स्तर पर 24ङ्क7 की तर्ज पर संचालित आपदा प्रबन्धन कंट्रोल रूम दूरभाष न0 01334-223999, 9528250926, 7055258800 पर तत्काल सुस्पष्ट सूचना देने हेतु उत्प्रेरित किया। मास्टर ट्रेनर, मनोज कण्डियाल द्वारा आपदा प्रबन्धन अधिनियम-2005 एवं जनपद में आई0आर0एस0 की भूमिका के सम्बन्ध में PPT के माध्यम से जानकारी प्रदान की गयी।

एन0डी0आर0एफ0 टीम के सब-इंस्पेक्टर रविन्द्र कुमार द्वारा आपदा मित्रों को आधुनिक बचाव तकनीकि एवं आपदा प्रबन्धन में समुदाय स्तर पर आपदा जोखिम न्यूनीकरण की जानकारी देना तथा स्थानीय ग्रामीण स्वयंसेवकों को आपदा के समय प्रभावी सहायता प्रदान करने के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी। गयी प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में एन0डी0आर0एफ0 के रविन्द्र कुमार, अमित गुप्ता, कमला व सचिन कुमार एवं आपदा प्रबन्धन की टीम आदि मौजूद रहे।

जनपद में 750 स्ट्रीट फूड वेंडर्स को FoSTaC प्रशिक्षण देने का लक्ष्य

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

सहायक आयुक्त खाद्य संरक्षण एवं औषधि महिमानन्द जोशी ने बताया कि जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशों के अनुपालन के क्रम में जनपद में स्ट्रीट फूड विक्रेताओं के लिए खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता को बढ़ावा देने हेतु फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (FSSAI) के FoSTaC (Food Safety Training & Certification) कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षण अभियान संचालित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत जनपद में लगभग 750 स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को प्रशिक्षण प्रदान किया जाना निर्धारित है। कार्यक्रम के अंतर्गत 9 जून, 10 जून एवं 11 जून 2026 को हरिद्वार क्षेत्र में प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए, जिनमें बड़ी संख्या में फूड वेंडर्स ने प्रतिभाग किया। आगामी चरणों में 13 जून से 15 जून 2026 तक विभिन्न स्थानों पर शेष विक्रेताओं को भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रत्येक बैच में लगभग 50-50 वेंडर्स को शामिल कर उन्हें खाद्य स्वच्छता, सुरक्षित भोजन निर्माण, साफ-सफाई, व्यक्तिगत हाइजीन एवं ग्राहक सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी जा रही है।

प्रशिक्षण के दौरान वेंडर्स को खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने, साफ पानी के उपयोग, कचरा प्रबंधन, स्वच्छ बर्तनों के प्रयोग एवं कार्यस्थल को साफ रखने के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2006 के तहत पंजीकरण/लाइसेंस की अनिवार्यता एवं नियमों की जानकारी भी दी गई। इस पहल का मुख्य उद्देश्य आमजन को सुरक्षित एवं स्वच्छ खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना तथा स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को जिम्मेदार एवं प्रशिक्षित बनाना है।

खेत बचाओ अभियान के तहत मेदनपुर में कृषक गोष्ठी, कृषि मंत्री ने किसानों से किया संवाद

पथ प्रवाह, रुद्रप्रयाग।

प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी पहल 'खेत बचाओ अभियान' के अंतर्गत शनिवार को विकासखंड जखोली के ग्राम मेदनपुर में कृषक गोष्ठी एवं कृषक-वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के कृषि एवं जनपद रुद्रप्रयाग के प्रभारी मंत्री गणेश जोशी ने किसानों से सीधा संवाद कर आधुनिक, वैज्ञानिक एवं प्राकृतिक खेती अपनाने का आह्वान किया।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि भारत एक कृषि प्रधान देश है और किसानों की आय बढ़ाने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में मिलेट्स और चौलाई से बने लड्डुओं को केदारनाथ और बदरीनाथ धाम में प्रसाद के रूप में तैयार किया जा रहा है, जिससे स्थानीय उत्पादों को नई पहचान मिल रही है तथा महिला स्वयं सहायता समूहों को रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं।उन्होंने बताया कि प्रदेश में 50 हजार पॉलीहाउस स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके प्रथम चरण में 16 हजार पॉलीहाउस लगाए जाएंगे। साथ ही मिलेट्स, ड्रैगन फ्रूट, कीवी एवं सुगंधित पौधों की खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सब्सिडी उपलब्ध कराई जा रही है। अरोमा मिशन के तहत 91 हजार किसानों को जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

मंत्री जोशी ने मेदनपुर के किसानों की सराहना करते हुए कहा कि यहां के कृषक नई तकनीकों को अपनाकर खेती में नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि खेत किसान की आत्मा हैं और फसलों को प्राकृतिक आपदाओं एवं अन्य जोखिमों से बचाने के लिए वैज्ञानिक खेती, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन तथा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान कृषि मंत्री ने महिला समूहों द्वारा मिलेट्स एवं चौलाई से तैयार किए जा रहे लड्डुओं का अवलोकन किया तथा समूह की महिलाओं से संवाद कर उनके प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कृषि विभाग द्वारा स्थापित फूलों की खेती, जियो टैंक एवं पॉलीहाउस का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि रुद्रप्रयाग पूर्णतः जैविक जनपद है। यदि कोई व्यक्ति जिले में रासायनिक उर्वरकों की बिक्री करता पाया जाता है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

संपादकीय

घर के कामकाज और जिम्मेदारी को संभालेंगे रोबोट

तकनीकी अब घर-घर में पहुंचने की तैयारी में है। दुनिया में इस समय एआई का बोलवाला है। सारी दुनिया के देशों में एआई तकनीकी पर आधारित रोबोट बनाए जा रहे हैं। हर देश में यह रोबोट अपने-अपने तरीके से परंपरागत रूप से काम करने की तकनीकी सीख रहे हैं। इन्हें इंसानों के बीच में किस तरह से किस देश में काम होते हैं उसकी जानकारी देकर रोबोट को इस बात के लिए तैयार कर रहे हैं कि वह समाज की जरूरत पर पूरी तरह से कारगर हो। भारत में जो रोबोट तैयार किये जा रहे हैं उन्हें कारखाने और घरेलू कामकाज के लिए तैयार किया जा रहा है। कारखाने में जिस तरह से मजदूर काम करते हैं उन्हीं कामों को अब रोबोट से कराने की तैयारी शुरू हो गई है। इसके साथ ही घरेलू कामकाज में चरणबद्ध तरीके से रोबोट अपना काम कर सकें इसके लिए उन्हें रोटी बनाना, सब्जी बनाना, यहां तक कि किस सब्जी में कितने मसाले का उपयोग करना है, घर के कामकाज में कपड़े धोने से लेकर बेडशीट बिछाकर घर की साफ सफाई करना, साइकिल चलाना, सड़क पार करना, कपड़ों पर प्रेस करना और पौधों को पानी देने के साथ ही साथ पौधों का रखरखाव करने जैसे काम करने वाले रोबोट तैयार किया जा रहे हैं। इसके लिए लगातार प्रयास शुरू हो गए हैं। इसे देखते हुए संभावना व्यक्त की जा रही है कि साल-दो-साल में भारत के प्रमुख शहरों में कामकाजी रोबोट के शोरुम खुल जाएंगे।

रोबोटिक में इमिटेशन लर्निंग के सटीक कार्यों की जानकारी के लिए जो कुशल मजदूर हैं और ग्रहणी के रूप में जो महिलाएं काम कर रही हैं वह अपने वीडियो तैयार करके कंपनियों को उपलब्ध करा रहे हैं। इससे उन्हें कमाई भी हो रही है और रोबोट तैयार करने वाले इंजीनियरों को रोबोट और सॉफ्टवेयर तैयार करने में मदद मिल रही है। इस कार्य को करने के लिए जो वीडियो बनाकर कमाई शुरू हुई है उसमें कामगार को अपने काम को व्यवस्थित रूप से करने और बारीकी से उसे समझाने में मदद मिल रही है। इसी तरह से घरेलू काम के लिए घरेलू महिलाओं और घरेलू कामकाज करने वाली कामगार की सहायता ली जा रही है। रील और वीडियो के माध्यम से यह एक नया रोजगार बन रहा है जो सोशल मीडिया के माध्यम से बड़ी तेजी के साथ प्रचलित होता चला जा रहा है। घरेलू कामगारों के लिए कम से कम 30 मिनट का वीडियो तैयार करना होता है, इस वीडियो का उपयोग जो भी कंपनी करती है, वो उसका भुगतान भी करती है। इसी तरह से मजदूर जो भवन निर्माण एवं अन्य कामों में लगे हुए हैं वह अपने-अपने काम और अनुभव के आधार पर वीडियो तैयार कर रहे हैं, इससे उन्हें सोशल मीडिया के माध्यम से बड़ी कमाई हो रही है। सबसे बड़ी बात यह है अलग-अलग क्षेत्र के लिए अलग-अलग भाषा में काम करने वाले कामगार रोबोट तथा घरेलू कामकाज के लिए रोबोट तैयार करने का सिलसिला भारत में बड़ी तेजी के साथ चल पड़ा है। आने वाले दिनों में अब एआई तकनीकी से तैयार रोबोट बड़ी मात्रा में बिकने के लिए उपलब्ध होंगे, जो कंपनियां रोबोट तैयार कर रहे हैं वह इस बात पर विशेष ध्यान दे रही हैं। जो रोबोट तैयार हों वह विभिन्न भाषा में, विभिन्न संस्कृति के अनुसार, कारखाने और घरेलू कामकाज के लिए पूरी तरह से काम कर सकें। आने वाले दिनों में झाड़ू-पोछा से लेकर रोटी बनाने, बुजुर्गों को टहलाने, बच्चों को खिलाने, बागवानी करने और अन्य काम अब घर घर में रोबोट करते हुए देखे जा सकेंगे। जिस तरह से एआई तकनीकी के माध्यम से परिवर्तन आ रहे हैं उसको देखते हुए यह आशंका भी व्यक्त की जा रही है कि करोड़ों लोग जो मजदूरी और घरों के कामकाज में रोजगार प्राप्त करते थे वह बेरोजगार हो सकते हैं। यह एक बड़ी आशंका भारत सहित दुनिया के सभी देशों को परेशान कर रही है। लेकिन तकनीकी का विकास अपनी जगह है, इसके साथ तालमेल बिठाकर काम करने की जरूरत है।

सर्पीली डगर और स्याह अँधेरा

डॉ योगेन्द्र

जेपी आंदोलन में कवि नागार्जुन जेलों में बंद थे। वे बाहर निकले तो जेपी आंदोलन के बारे में बयान दिया-' अब मुझे लगता है कि मैं वेश्याओं और भड़ुओं की गली से लौट आया हूँ।' लोगों ने उन्हें समझाया कि चुप रहिए, कुछ महीनों के बाद चुनाव होगा, आप सांसद बन जायेंगे। ' नागार्जुन ने कहा कि तब मेरा दिमाग़ गोबर से भर जाएगा। जिस नागार्जुन ने आंदोलन के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से पूछा था- ' इंदू जी, इंदू जी, क्या हुआ आपको/ तार दिया बेटे को , बोर दिया बाप को ', उसी नागार्जुन ने संपूर्ण क्रांति को भ्रांति विलास कहा। 5 जून 1974 को संपूर्ण क्रांति दिवस की घोषणा हुई। पटना का गांधी मैदान में मंच पर जयप्रकाश नारायण हैं, रामधारी सिंह दिनकर और फणीश्वरनाथ रेणु। अध्यक्षता आचार्य राममूर्ति कर रहे हैं। सामने लाखों की भीड़, देश बदलने के सपने लहरा रहे हैं हवा में। इंदिरा गांधी के खिलाफ बिगुल बजता है और संपूर्ण क्रांति का उद्घोष होता है। संघर्ष के साथ बदलाव के सपने। यह राजनैतिक घटना लगभग 54 वर्ष पूर्व घटित हुई। तब से लेकर अब तक गंगा में बहुत- सा पानी बह चुका है। जेपी के कुछ सेनानी थक कर शर- शैय्या पर लेटे हैं। कुछ काल-कवलित हो गए। अनेक पेंशनधारी हैं। उनमें कई सक्रिय भी हैं। जिन्होंने संसदीय राजनीति को वरण किया, उनमें से कई मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री की कुर्सी की शोभा बढ़ाई। मगर संपूर्ण क्रांति ठहर ही नहीं गई, टूट गई, बिखर गई।

जो लोग संसदीय राजनीति में नहीं गए, उन्होंने ज़रूर अलख जगाने की कोशिश की। मारकाट और हिंसा से जितनी भूमि आज तक निर्धनों में नहीं बाँटी गई, उससे कहीं अधिक भूमि शांतिमय वर्ग संघर्ष के द्वारा बोधगया आंदोलन के कारण वितरित हुई। संपूर्ण क्रांति आंदोलन से निकले अनेक कार्यकर्ताओं ने अंतर्जातीय शादी की। पहली बार बोधगया में स्त्री के नाम पर ज़मीन आवंटित हुई। जेपी आंदोलन से उपजे लोगों ने ही भागलपुर में जलकर जमींदारी के खिलाफ आंदोलन चलाया और जलकर जमींदारी ख़त्म किया। देश के अन्य हिस्से, मसलन उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, उड़ीसा, असम आदि जगहों पर काम किया, लेकिन व्यवस्था की चूलें हिलाने में वे सक्षम नहीं हुए। संसदीय राजनीति में जो गये, उनमें से कई भ्रष्टाचार में लिप्त हो गये और कई सांप्रदायिक राजनीति को हवा ही नहीं दी, बल्कि उसके वाहक बने। नीतीश कुमार, शरद यादव, जार्ज फर्नांडीज, रामविलास पासवान आदि ने सांप्रदायिक राजनीति से हाथ मिलाकर मुख्यमंत्री, मंत्री आदि की कुर्सी हथियायी , लेकिन वे उखड़ते गए और सांप्रदायिक राजनीति जमती गई। नागार्जुन ने जो कहा था, वह सच हो गया है। आपातकाल के खिलाफ हुई लड़ाई में जनसंघ के नेताओं का साथ और फिर जनता पार्टी की टूट के बाद समाजवादियों की बीजेपी के साथ हुई गलबाहियों ने सांप्रदायिक राजनीति को बढ़ावा दिया। आज सांप्रदायिक राजनीति भयावह रूप लेती जा रही है। देश की वास्तविकता से मुख मोड़ कर वह जनता को भ्रमित करने में लगी है। उनकी समझ तो टुच्ची टाइप की है, लेकिन शब्दों की बाजीगरी में उन्हें दक्षता हासिल है। पैंतरेबाज़ी में उनका जोड़ा नहीं है, क्योंकि उनकी कुचाल और चरित्रहीनता की कोई सीमा नहीं है। काल एक नये रूप में हमारे सामने खड़ा है। 1974 की तुलना में ज़्यादा कठिन परिस्थिति है। आइडिया ऑफ इंडिया अब आइडिया ऑफ पाकिस्तान में बदल गया है। सत्ता में बैठे लोग विखंडनकारी है और फ़र्ज़ी राष्ट्रवाद का प्रचार कर भारत को भी पाकिस्तान बना रहे हैं।

मानवता की एक बूंद रक्तदान करें जीवन बचाएं : सुरक्षित रक्त से मजबूत समाज की ओर

कांतिलाल मांडोत

हर वर्ष 14 जून को विश्व रक्तदाता दिवस मनाया जाता है। यह केवल एक औपचारिक दिवस नहीं है बल्कि मानवता सेवा और जीवन रक्षा का वैश्विक अभियान है। इस दिन उन लाखों स्वैच्छिक रक्तदाताओं का सम्मान किया जाता है जिनके निस्वार्थ योगदान से प्रतिदिन अनगिनत लोगों को नया जीवन मिलता है। वर्ष 2026 की थीम 'मानवता की एक बूंद। रक्तदान करें। जीवन बचाएं।' इस संदेश को और अधिक प्रभावी बनाती है कि रक्तदान केवल चिकित्सा सहायता नहीं बल्कि करुणा और सामाजिक जिम्मेदारी का सबसे बड़ा प्रतीक है।

रक्त ऐसा अमूल्य संसाधन है जिसे किसी प्रयोगशाला में कृत्रिम रूप से तैयार नहीं किया जा सकता। इसकी उपलब्धता पूरी तरह स्वस्थ और जागरूक नागरिकों के स्वैच्छिक रक्तदान पर निर्भर करती है। जब किसी व्यक्ति को दुर्घटना होती है तब प्रसव के दौरान अत्यधिक रक्तस्राव होता है तब कैंसर का इलाज चल रहा होता है तब थैलेसीमिया या अन्य गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को रक्त की आवश्यकता पड़ती है। ऐसे समय में किसी अनजान रक्तदाता द्वारा दिया गया रक्त जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर बन जाता है।

भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देशों में से एक है और यहां रक्त की मांग भी बहुत अधिक है। विभिन्न स्वास्थ्य रिपोर्टों के अनुसार देश में हर वर्ष लगभग 1.4 से 1.6 करोड़ यूनिट रक्त एकत्रित किया जाता है। यह संख्या बड़ी दिखाई देती है लेकिन देश की विशाल जनसंख्या और स्वास्थ्य जरूरतों को देखते हुए अभी भी कई क्षेत्रों में रक्त की कमी महसूस की जाती है। विशेष रूप से दुर्लभ रक्त समूहों और आपातकालीन स्थितियों में रक्त की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती बनी रहती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि देश की कुल आबादी का केवल एक छोटा हिस्सा भी नियमित रूप से रक्तदान करे तो रक्त की कमी की समस्या लगभग समाप्त हो सकती है। एक यूनिट रक्त को अलग अलग घटकों में विभाजित किया जा सकता है। इससे लाल रक्त कणिकाएं प्लाज्मा और प्लेटलेट्स अलग होकर तीन अलग मरीजों के उपचार में उपयोग किए जा सकते हैं। इसका अर्थ है कि एक व्यक्ति का एक बार किया गया रक्तदान तीन या उससे अधिक लोगों का जीवन बचाने में सहायक हो सकता है।

भारत में हर वर्ष लाखों मरीज रक्तदान से लाभान्वित होते हैं। सड़क दुर्घटनाओं के शिकार लोगों से लेकर हृदय शल्य चिकित्सा कराने वाले मरीजों तक और कैंसर उपचार प्राप्त कर रहे रोगियों से लेकर थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों तक सभी के लिए रक्त जीवनरेखा का काम करता है। थैलेसीमिया से पीड़ित हजारों बच्चों को नियमित अंतराल पर रक्त चढ़ाने की आवश्यकता होती है। यदि रक्तदाता आगे न आएं तो इन बच्चों के जीवन पर संकट खड़ा हो सकता है। इसी प्रकार प्रसव के दौरान होने वाले अत्यधिक रक्तस्राव के कारण हर वर्ष अनेक महिलाओं की जान जोखिम में पड़ती है। समय पर उपलब्ध रक्त उनके जीवन की रक्षा कर सकता है।

रक्तदान को लेकर समाज में कई प्रकार की भ्रांतियां भी मौजूद हैं। कुछ लोग मानते हैं कि रक्तदान करने से कमजोरी आ जाती है या स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। जबकि चिकित्सा विज्ञान के अनुसार स्वस्थ व्यक्ति द्वारा निर्धारित अंतराल पर किया गया रक्तदान पूरी तरह सुरक्षित होता है। शरीर कुछ ही समय में रक्त की कमी को पूरा कर लेता है। रक्तदान से नई रक्त कोशिकाओं के निर्माण की प्रक्रिया सक्रिय होती है और शरीर में आयरन संतुलन बनाए रखने में भी सहायता मिलती है। सबसे बड़ी बात यह है कि रक्तदान से पहले होने वाली स्वास्थ्य जांच व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य की स्थिति जानने का अवसर भी देती है।

आज आवश्यकता केवल रक्त एकत्रित करने की नहीं बल्कि नियमित और स्वैच्छिक रक्तदान की संस्कृति विकसित करने की है। कई बार विशेष अवसरों पर बड़े शिविर आयोजित होते हैं और पर्याप्त मात्रा में रक्त एकत्र हो जाता है लेकिन वर्ष भर निरंतर रक्त की उपलब्धता बनाए रखना अधिक महत्वपूर्ण है। इसके लिए युवाओं को विशेष रूप से प्रेरित करने की आवश्यकता है। कॉलेजों विश्वविद्यालयों और सामाजिक संगठनों को नियमित जागरूकता अभियान चलाने चाहिए ताकि रक्तदान को एक सामाजिक आंदोलन का रूप दिया जा सके।

डिजिटल युग में तकनीक भी रक्तदान अभियान को नई दिशा दे सकती है। मोबाइल एप और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से रक्तदाताओं का राष्ट्रीय नेटवर्क तैयार किया जा सकता है। आवश्यकता पड़ने पर निकटतम रक्तदाता से तुरंत संपर्क स्थापित किया जा सकता है। इससे आपातकालीन परिस्थितियों में समय की बचत होगी और मरीजों को शीघ्र सहायता मिल सकेगी। कई राज्यों में ऐसे प्रयास शुरू हुए हैं लेकिन इन्हें और व्यापक बनाने की आवश्यकता है।

स्कूल स्तर पर भी रक्तदान के महत्व के बारे में शिक्षा दी जानी चाहिए। भले ही विद्यार्थी रक्तदान की आयु तक न पहुंचे हों लेकिन उनमें सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित की जा सकती है। जब वे युवा बनेंगे तब स्वाभाविक रूप से रक्तदान को अपने सामाजिक कर्तव्य के रूप में स्वीकार करेंगे। इसी प्रकार परिवारों में भी रक्तदान को लेकर सकारात्मक चर्चा होनी चाहिए ताकि नई पीढ़ी प्रेरित हो सके।

सरकारों और स्वास्थ्य संस्थानों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। रक्त बैंकों की संख्या और गुणवत्ता बढ़ाने के साथ साथ आधुनिक परीक्षण सुविधाओं को मजबूत करना आवश्यक है। सुरक्षित रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए गुणवत्ता मानकों का कठोर पालन किया जाना चाहिए। ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों तक रक्त सेवाओं की पहुंच बढ़ाना भी समय की मांग है। जब तक हर व्यक्ति को आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित रक्त उपलब्ध नहीं होगा तब तक स्वास्थ्य सुरक्षा का लक्ष्य अधूरा रहेगा।

कार्ल लैंडस्टीनर की विरासत: क्यों मनाया जाता है विश्व रक्तदान दिवस और क्या हैं इसके फायदे ?

सुनील कुमार महला

विश्व रक्तदान दिवस हर वर्ष 14 जून को मनाया जाता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि यदि कोई भी व्यक्ति अपने जीवन में रक्त का दान करता है तो यह मानवता के हित में सबसे बड़ा काम है, लेकिन एक आंकड़े के अनुसार हमारे देश की आबादी का केवल 37 प्रतिशत लोग ही रक्तदान करने योग्य हैं, लेकिन उनमें से भी 10 प्रतिशत से भी कम लोग हर साल ब्लड डोनेट करते हैं। पाठकों को जानकारी प्राप्त करके आश्चर्य होगा कि दुनिया भर में हर वर्ष लगभग 11.85 करोड़ (118.5 मिलियन) यूनिट रक्तदान एकत्र किया जाता है तथा विश्व के कुल रक्तदान का 40% हिस्सा उच्च आय वाले देशों से आता है, जबकि वहां दुनिया की केवल 16% आबादी रहती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार एक यूनिट रक्त को विभिन्न घटकों में विभाजित करके तीन लोगों तक की जान बचाई जा सकती है। एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार निम्न आय वाले देशों में दिए जाने वाले रक्त का 54% हिस्सा 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों को चढ़ाया जाता है तथा उच्च आय वाले देशों में रक्त प्राप्त करने वालों में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोग लगभग 76% हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वर्ष 2008 से 2018 के बीच स्वैच्छिक रक्तदाताओं से प्राप्त रक्तदान में 1.07 करोड़ (10.7 मिलियन) यूनिट की वृद्धि दर्ज की गई। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि दुनिया के 79 देशों में 90% से अधिक रक्त आपूर्ति स्वैच्छिक और निःशुल्क रक्तदाताओं से प्राप्त होती है, जबकि 54 देशों में अब भी आधे से अधिक रक्त परिवार या भुगतान वाले दाताओं से आता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार प्रसव के दौरान या बाद में हर वर्ष लगभग 1.4 करोड़ (14 मिलियन) महिलाएं अत्यधिक रक्तस्राव का सामना करती हैं, जिनके लिए समय पर रक्त उपलब्ध होना जीवनरक्षक साबित होता है। भारत में विभिन्न आकलनों के अनुसार प्रतिवर्ष लगभग 10 लाख यूनिट रक्त की कमी बनी रहती है, जिसके कारण नियमित स्वैच्छिक रक्तदान का महत्व और बढ़ जाता है। रोचक तथ्य है कि यदि किसी देश की केवल 1% आबादी नियमित रूप से रक्तदान करे, तो अधिकांश देशों की रक्त आवश्यकता पूरी हो सकती है। रक्त आज भी ऐसी जीवनरक्षक वस्तु है जिसे किसी फैक्ट्री में बनाया नहीं जा सकता; इसका एकमात्र स्रोत मानव रक्तदाता ही है। जीवन अमूल्य है और रक्तदान जीवनदान देता है। ब्लड प्रकृति द्वारा मानव को दिया गया सबसे मूल्यवान उपहार है। हम इसके माध्यम से लोगों की कई तरह से मदद कर सकते हैं, मसलन हम बहुत सी जिंदगियां बचा सकते हैं। मानवता की सेवा में रक्तदान सबसे उत्तम सेवा है। बीमारों, जरूरतमंदों के लिए रक्तदान नये जीवन की आशा है। रक्तदान करके हम बहुत से जीवन बचा सकते हैं, इसलिए प्रत्येक स्वस्थ और योग्य व्यक्ति को अपने जीवन में रक्त का दान करने की प्रेरणा लेनी चाहिए और रक्तदान करना चाहिए। जानकारी देना चाहूंगा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा इस दिन को रक्तदान दिवस के रूप में घोषित किया गया है। रक्तदान को सबसे बड़ा दान माना गया है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2004 में स्थापित इस कार्यक्रम का उद्देश्य सुरक्षित रक्त और रक्त उत्पादों की आवश्यकता के बारे में जागरूकता बढ़ाना और रक्तदाताओं के सुरक्षित जीवन रक्षक रक्त के दान करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करते हुए आभार व्यक्त करना है। वास्तव में, इस दिन को 14 जून को मनाने का खास कारण है। जानकारी मिलती है कि वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टीनर ने ब्लड ग्रुप सिस्टम की खोज की थी। उनके इस योगदान के लिए वर्ष 1930 में कार्ल लैंडस्टीनर को नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। रक्तदाता दिवस वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टीनर को समर्पित है, जिनका जन्मदिन 14 जून को होता है। यहां यह भी बताता चलूं कि कार्ल लैंडस्टीनर ही वह वैज्ञानिक थे जिन्होंने एबीओ रक्त समूह की खोज की थी। उनका जन्म 14 जून 1868 को हुआ था और उन्हीं की याद में यह दिवस संपूर्ण विश्व में मनाया जाता है। उल्लेखनीय है कि विश्व रक्तदाता दिवस मनाए जाने की शुरुआत विश्व स्वास्थ्य संगठन, अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस संघ, और रेड क्रिसेंट समाज द्वारा सबसे पहले की गई थी। कार्ल लैंडस्टीनर एक ऑस्ट्रियाई जीव वैज्ञानिक, चिकित्सक और प्रतिरक्षा विज्ञानी थे, और उन्हें आधुनिक रक्त आधान (ब्लड ट्रांसफ्यूजन) का संस्थापक माना जाता है। यह उनका योगदान ही है कि आज रोगी के जीवन को खतरे में डाले बिना ब्लड ट्रांसफ्यूजन संभव हो पाया है। कार्ल को उनके अनूठे योगदान के लिए वर्ष 1930 में उन्हें नोबेल पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। आज देश में रोजाना बहुत से एक्सीडेंट होते हैं, थैलेसीमिया के रोगियों, एनीमिया के रोगियों, ब्लड कैंसर जैसी बीमारियों में व बहुत बार डिलीवरी के वक्त महिलाओं को रक्त की जरूरत पड़ती है। कई बार आपात स्थिति में एक्सीडेंट के दौरान या फिर ऑपरेशन या किसी अन्य कारण से खून की आवश्यकता जब मरीज को पड़ती है, ऐसे में रक्तदाताओं द्वारा दान किए गए खून से कई लोगों की जान बचाई जाती है। ऐसे ही ब्लड डोनर्स के महत्व और उन्हें धन्यवाद करने के लिए प्रति वर्ष 14 जून को 'वर्ल्ड ब्लड डोनर डे' संपूर्ण विश्व में मनाया जाता है। रक्तदान को महादान भी कहा गया है, क्योंकि किसी का जीवन बचाने से बड़ी बात कुछ और नहीं हो सकती है। आज लोग धीरे-धीरे इसका महत्व समझने लगे हैं और रक्तदान के प्रति लोगों में जागरूकता का माहौल भी देखने को मिल रहा है। फिर भी बहुत सारे व्यक्ति ऐसे भी हैं जिनको अभी भी रक्तदान करने से डर लगता है, रक्तदान को लेकर बहुत सी भ्रांतियां भी लोगों में व्याप्त हैं, तो हमारा कर्तव्य यह बनता है कि हम उन्हें रक्तदान के प्रति जागरूक करें। वास्तव में, अगर हमारी वजह से यदि किसी व्यक्ति की ज़िन्दगी बचती है तो हमें जो संतुष्टि का एहसास होगा उसे शब्दों में बयाँ करना मुमकिन नहीं है। सच तो यह है कि रक्तदान जीवन का सबसे खूबसूरत अहसास है। विश्व रक्तदाता दिवस के लिए हर साल विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा एक थीम को चुना जाता है ताकि स्वैच्छिक रक्तदान जीवन को बचाने और विभिन्न समुदायों के भीतर एकजुटता बढ़ाने में भूमिका को उजागर किया जा सके।

फर्जी शस्त्र लाइसेंस और अवैध हथियारों के नेटवर्क पर उत्तराखंड एसटीएफ का कड़ा प्रहार

पथ प्रवाह, देहरादून।

उत्तराखंड में फर्जी शस्त्र लाइसेंस और अवैध हथियारों के नेटवर्क को जड़ से उखाड़ने के एसटीएफ लगातार कड़ी कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में एसटीएफ की टीम ने देर रात्रि ताबड़तोड़ दबिश देकर 02 और अभियुक्त गिरफ्तार किये गए हैं। इनके पास से 02 पिस्टल एवं 31 जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। इस प्रकरण में अब तक 09 अभियुक्त गिरफ्तार हो चुके हैं जबकि 14 अवैध शस्त्र, 341 कारतूस एवं फर्जी लाइसेंस बरामद किये गए हैं।

मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड के 'अपराध मुक्त उत्तराखण्ड' के विजन तथा पुलिस महानिदेशक उत्तराखण्ड दीपम सेठ के निर्देशन में स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) उत्तराखण्ड द्वारा राज्य में बाहरी राज्यों से स्थानान्तरित होकर आये शस्त्र लाइसेंसों की वैधता एवं सत्यता की व्यापक जांच की जा रही है। इसी क्रम में एसटीएफ द्वारा की गई गहन जांच एवं साक्ष्यों के आधार पर दिनांक 04.06.2026 को जनपद ऊधमसिंहनगर के थाना कोतवाली काशीपुर में स्नढ्ढक्र संख्या-213/2026 अन्तर्गत धारा 318(4), 338, 336(3), 340, 61(2), 3(5), 111 बीएनएस पंजीकृत करायी गयी थी। मुकदमे की विवेचना के दौरान दिनांक 12.06.2026 की देर रात्रि एसएसपी एसटीएफ के निर्देशन में कार्यवाही करते हुए एसटीएफ टीम ने जनपद ऊधमसिंहनगर के सितारगंज-रुद्रपुर क्षेत्र में दबिश देकर दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ उत्तराखण्ड ने बताया कि वर्ष 2026 के प्रारम्भ से ही राज्य में फर्जी शस्त्र लाइसेंस धारकों तथा कूटरचित दस्तावेजों के माध्यम से अवैध शस्त्र लाइसेंस तैयार करने वाले गिरोहों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पिछले लगभग एक माह से एसटीएफ की टीमें इस पूरे नेटवर्क की परत-दर-परत जांच में जुटी हुई थीं। उन्होंने बताया कि टीम द्वारा प्रस्तुत जांच रिपोर्ट एवं संकलित साक्ष्यों के आधार पर काशीपुर कोतवाली में अभियोग पंजीकृत कराया गया, जिसके बाद एसटीएफ लगातार एक के बाद एक प्रभावी कार्रवाई करते हुए इस संगठित नेटवर्क को ध्वस्त करने में लगी हुई है।

एसएसपी एसटीएफ ने कहा कि 'फर्जी शस्त्र लाइसेंस और अवैध हथियारों का यह खेल केवल कानून का उल्लंघन नहीं बल्कि समाज और राज्य की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। एसटीएफ इस पूरे नेटवर्क की तह तक जाएगी। जांच में जिस किसी व्यक्ति, दलाल, लाइसेंस धारक अथवा सहयोगी की भूमिका सामने आएगी, उसके विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। '

अब तक एसटीएफ ने इस प्रकरण में राज्य के विभिन्न जनपदों में 03 अभियोग पंजीकृत किये हैं। 09 अभियुक्त गिरफ्तार कर जेल भेजे गए, 14 अवैध शस्त्र और 341 कारतूस बरामद किये गए। बड़ी संख्या में संदिग्ध एवं फर्जी शस्त्र लाइसेंस बरामद किये गए। गिरफ्तार अभियुक्तों के नाम करनजीत सिंह पुत्र नाजर सिंह, निवासी ग्राम भुड़िया कॉलोनी, थाना बहेड़ी, जनपद बरेली (उ0प्र0), हाल निवासी/संचालक रेस्टोरेंट सरदार जी, सितारगंज, ऊधमसिंहनगर, उम्र 35 वर्ष। विक्रमजीत सिंह तूर पुत्र अजयपाल सिंह, निवासी नियर मंडी, सितारगंज, जनपद ऊधमसिंहनगर, उम्र 36 वर्ष है।

मानसून से पूर्व सभी तैयारियां पूर्ण रखें, संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखें: मदन कौशिक

पथ प्रवाह, पौड़ी गढ़वाल।

प्रदेश के कैबिनेट मंत्री एवं जनपद प्रभारी मंत्री मदन कौशिक ने शनिवार को जनपद मुख्यालय स्थित सर्किट हाउस में आयोजित बैठक में जनपद में संचालित आपदा प्रबंधन कार्यों, आगामी मानसून की तैयारियों तथा नीलकंठ यात्रा व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की। जनपद मुख्यालय पहुंचने पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया।

बैठक में जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने जनपद में आपदा प्रबंधन से संबंधित तैयारियों एवं विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अहेतुक सहायता वितरण, आपदा न्यूनीकरण योजनाओं तथा विभागीय स्तर पर की जाने वाली आवश्यक तैयारियों का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। जनपद के संवेदनशील गांवों एवं संभावित जोखिम वाले क्षेत्रों को चिन्हित किया जा चुका है तथा राहत एवं पुनर्वास केंद्रों के लिए भवन भी निर्धारित कर दिए गए हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि जनपद के विभिन्न भू-स्खलन संभावित क्षेत्रों का सर्वेक्षण कर लैंडस्लाइड जोन चिन्हित किए गए हैं। प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे सभी स्थानों की पृथक सूची तैयार की जाए जहां जनहानि अथवा संपत्ति को नुकसान पहुंचने की आशंका है। इन क्षेत्रों की सतत निगरानी सुनिश्चित करते हुए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि किसी भी आपदा की स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई की जा सके। प्रभारी मंत्री ने कहा कि मानसून के दौरान जनसुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी विभाग अलर्ट मोड में रहते हुए पूर्व तैयारी, त्वरित प्रतिक्रिया एवं बेहतर समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि किसी भी आपात स्थिति का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सके।

बैठक में प्रभारी मंत्री ने आगामी नीलकंठ यात्रा की तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने पेयजल, शौचालय, सड़क मरम्मत, पार्किंग, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं की स्थिति की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने बताया कि उपजिलाधिकारी एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से स्थलीय निरीक्षण भी किया गया है तथा उनके सुझाव के आधार पर यात्रा मार्ग पर आवश्यक व्यवस्थाओं से संबंधित प्रस्ताव जिला योजना में शामिल किए गए हैं। साथ ही श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

नगर निकाय क्षेत्रों में मानसून एवं आपदा प्रबंधन की तैयारियों के संबंध में जिलाधिकारी ने अवगत कराया कि जिन कार्यों को पूर्व में आपदा मद में शामिल नहीं किया जा सका था, उन्हें जिला योजना में सम्मिलित किया गया है। साथ ही वर्षाकाल से पूर्व नालियों की सफाई एवं मरम्मत सहित जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने का कार्य भी तेजी से कराया जा रहा है।

बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष रचना बुटोला, विधायक राजकुमार पोरी, ब्लॉक प्रमुख अस्मिता नेगी, नगर पालिका अध्यक्ष हिमानी नेगी, मुख्य विकास अधिकारी अशोक कुमार जोशी, अपर जिलाधिकारी एफ.आर. चौहान, संयुक्त मजिस्ट्रेट गौरी प्रभात, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. शिव मोहन शुल्क, अधीक्षण अभियंता जल निगम मो. मिशम, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग विवेक सेमवाल, अधिशासी अभियंता जल संस्थान टी.एस. रावत, जिला पंचायत राज अधिकारी जितेंद्र कुमार, मुख्य शिक्षाधिकारी अत्रेश सयाना, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी दीपेश काला, जिला पूर्ति अधिकारी अरुण कुमार वर्मा, जिला उद्यान अधिकारी मनोरंजन भंडारी, एएमए जिला पंचायत संजय खंडूरी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित

एक नजर

हत्या के प्रयास में वांछित 10 हजार के इनामी को दून पुलिस ने किया गिरफ्तार

पथ प्रवाह, देहरादून। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून के निर्देशन में आपराधिक पृष्ठभूमि से जुड़े व्यक्तियों की धरपकड़ के लिए चलाये जा रहे अभियान ऑपरेशन प्रहार के तहत दून पुलिस द्वारा आपराधिक गतिविधियों में लिप्त अभियुक्तों के विरुद्ध लगातार बृहद स्तर पर कार्यवाही की जा रही है। पुलिस के मुताबिक 23/05/2026 को कोतवाली प्रेमनगर पर कुमार निशांत पुत्र शंभू नाथ झा निवासी मुजफ्फरपुर, बिहार द्वारा तहरीर दी कि समीर त्यागी द्वारा अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर उनके साथ गाली गलौज करते हुए उन पर जान से मारने की नीयत से हमला किया, जिसमें वो गंभीर रूप से घायल हो गये। तहरीर के आधार पर थाना प्रेम नगर पर मु0अ0सं0 - 97/2026 धारा - 109/115(2) बीएनएस पंजीकृत किया गया। प्रकरण की गंभीरता के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु तत्काल पुलिस टीम का गठन कर टीम को आवश्यक निर्देश दिए गए। जिसके अनुपालन में पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल व उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरो तथा घटना के समय मौके पर मौजूद लोगों से बयानों के आधार पर घटना में शामिल संदिग्धों के संबंध में आवश्यक जानकारी एकत्रित की गई तथा प्राप्त जानकारी के आधार पर त्वरित कार्यवाही करते हुए घटना में शामिल 01 अभियुक्त प्रियांशु राणा पुत्र विक्रम सिंह राणा निवास गढ़ी पुख्ता जिला शामली उत्तर प्रदेश को दिनांक 28-05-26 को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया, जिससे पूछताछ के आधार पर प्रकाश में आये 02 अन्य अभियुक्तो समीर त्यागी तथा एकलव्य की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम लगातार प्रयासरत थी, उक्त दोनों अभियुक्तों के लगातार फरार चलने पर एसएसपी द्वारा उन पर 10-10 हज़ार का इनाम घोषित किया गया। घटना में प्रकाश में आए अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम द्वारा किये जा रहे प्रयासों के दौरान 13-06-2026 को पुलिस टीम द्वारा मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर घटना में शामिल 10 हज़ार के ईनामी अभियुक्त एकलव्य को डाको वाली रोड से गिरफ्तार किया गया।

टिफिन बैठक में दिखा संगठन का दम, कार्यकर्ताओं संग जमीन पर बैठकर किया भोजन

पथ प्रवाह, देहरादून

देहरादून की धर्मपुर विधानसभा में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 12 सफल वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित टिफिन बैठक में भाजपा का संगठनात्मक सामर्थ्य और कार्यकर्ताओं का उत्साह साफ नजर आया। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, पूर्व मुख्यमंत्री व हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत और स्थानीय विधायक विनोद चमोली की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ आत्मीय संवाद करते हुए सभी ने एक साथ बैठकर भोजन किया, जिसने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के साथ-साथ कार्यकर्ताओं के साथ सीधा संवाद स्थापित करना रहा। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित किए हैं। गरीब कल्याण योजनाओं, पारदर्शी शासन और सेवा भावना के कारण आज सरकार पर जनता का विश्वास और मजबूत हुआ है। कार्यक्रम में भाजपा के समर्पित कार्यकर्ताओं की भूमिका को विशेष रूप से रेखांकित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता ही संगठन की असली ताकत है, जो हर परिस्थिति में पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करता है। कार्यकर्ताओं के समर्पण और मेहनत के बल पर ही भाजपा आज विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन बनी है। टिफिन बैठक के दौरान एक अलग ही दृश्य देखने को मिला, जब केंद्रीय मंत्री गजेंद्र शेखावत, सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत, विधायक विनोद चमोली व अन्य जनप्रतिनिधि जमीन पर बैठकर कार्यकर्ताओं और आम लोगों के साथ भोजन करते नजर आए। इस सरलता और सादगी ने उपस्थित लोगों के दिलों को छू लिया। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि भाजपा में नेता और कार्यकर्ता के बीच कोई दूरी नहीं है, बल्कि सभी एक परिवार की तरह मिलकर राष्ट्रसेवा के संकल्प को आगे बढ़ा रहे हैं।

इस अवसर पर विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने का संकल्प भी दोहराया गया और कार्यकर्ताओं से आगामी कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया गया।

गंगापुत्र स्वामी निगमानंद सरस्वती की पुण्यतिथि पर पुष्पाजंलि

पथ प्रवाह, हरिद्वार। शनिवार को बेनीपुर प्रखंड के सझुआर ग्राम स्थित मातृसदन आश्रम में गंगापुत्र स्वामी निगमानंद सरस्वती जी की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। स्थानीय श्रद्धालु व भक्तजनों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण किया और पुष्पांजलि दी। इस दौरान प्रकृति पर्यावरण रक्षा एवं भ्रष्टाचार उन्मूलन के लिए सदियों से चली रही संघर्ष की लड़ाई पर यहां के संत और ब्रह्मचारियों द्वारा श्रद्धालुओं के समक्ष प्रकृति के लिए आत्मनिष्ठ होने की बात कही गई और 'उद्वै प्रियो गृहपतिस्तं नु दध्महे मन्द्रं धनस्य सातिनमऋत्वावानं विचेतसं पुरो दध्महे अग्रगाम॥ (ऋग्वेद 8.84.1) सूक्त को जीवंत व अनुसरण करते हुए संकल्पित होकर कहा कि जो सृष्टि के प्राकृतिक नियमों एवं पर्यावरण की रक्षा के लिए आगे बढ़कर अपने प्राणों की आहुति दे देता है, वही सच्चा वीर है। माँ गंगा की पवित्रता और प्रकृति की अस्मत को बचाने के लिए हमारे एक युवा ब्रह्मचारी ने भूखे-प्यासे रहकर अपने शरीर का मांस गला दिया! उनका यह बलिदान कोई सामान्य मृत्यु नहीं है, यह सोई हुई मानवता को जगाने के लिए किया गया महायज्ञ है!' और आगे भी हम धर्म न्याय सत्य पर्यावरण संरक्षण मां गंगा का संरक्षण एवं भ्रष्टाचार उन्मूलन के लिए आजीवन इस आश्रम के संन्यासी, प्राणों के आहुति के लिए तैयार हैं। इस दौरान ब्रह्मचारी दयानंद स्वामी सहित ब्रह्मचारी शिवम झा एवं श्रद्धालु हिमांशु, सत्यनारायण यादव, बिट्टू यादव, संजय यादव, सुरेंद्र झा, रामनरेश चौधरी, रामानंद झा, आयुष कुमार झा, लक्ष्मी ठाकुर, राम बाबू झा, अंजनी कुमार झा, योगेंद्र सिंह, कौशलेन्द्र झा, विजय झा, नारायण झा, अरुण चौधरी, ठाकुर वंशीविभूषित, मुकेश झा, चौधरी एन.सी.राय, माता जी शशि राय (बाथो/लहरियासराय), रवींद्र चौधरी, अंजनी झा आदि गणमान्य उपस्थित रहें।

चस्स्ष्ट स्नातक स्तरीय परीक्षा-2026 को लेकर उत्तरकाशी पुलिस मुस्तैद, एसपी ने दिये कड़ी निगरानी के निर्देश

पथ प्रवाह, उत्तरकाशी।

उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (चस्स्ष्ट) की रविवार 14 ?जून को होने वाली स्नातक स्तरीय लिखित परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने हेतु उत्तरकाशी पुलिस पूरी तरह सतर्क एवं मुस्तैद है।

पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी,कमलेश उपाध्याय ने परीक्षा से एक दिन पहले शनिवार को पुलिस लाइन ज्ञानसू स्थित भागीरथी कॉन्फ्रेंस हॉल में परीक्षा ड्यूटी में नियुक्त समस्त नोडल, जोनल एवं सेक्टर पुलिस अधिकारियों की बैठक लेकर परीक्षा के दौरान पूर्ण सतर्कता बरतने तथा परीक्षा को पारदर्शक एवं शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न करवाने हेतु ब्रीफ किया। उनके द्वारा जनपद मुख्यालय एवं आसपास स्थित परीक्षा केन्द्रों का भौतिक निरीक्षण कर सुरक्षा एवं परीक्षा व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया गया।

सभी पुलिस अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत परीक्षा केन्द्रों का भौतिक सत्यापन कर केन्द्र प्रभारियों के साथ समन्वय स्थापित

करने तथा आयोग एवं प्रशासन के साथ बेहतर तालमेल बनाते हुए परीक्षा की शुचिता एवं पारदर्शिता बनाए रखने हेतु बनायी गयी प्रभावी कार्ययोजना पर कार्य करने के निर्देश दिये गये।

परीक्षा दिवस पर अभ्यर्थियों की प्रवेश प्रक्रिया, सघन चेकिंग एवं फ्रिस्किंग, परीक्षा केन्द्रों की सुरक्षा तथा परीक्षा संचालन से जुड़े अधिकृत व्यक्तियों के अतिरिक्त अन्य किसी भी व्यक्ति के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही अभ्यर्थियों को प्रवेश-पत्र, फोटोयुक्त पहचान पत्र एवं पेन के अतिरिक्त कोई भी सामग्री परीक्षा केन्द्र के भीतर न ले जाने देने के संबंध में भी सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। मेगा परीक्षा केन्द्रों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती के साथ अतिरिक्त सावधानी बरतने के निर्देश दिये गये। मौसम विभाग द्वारा जारी वर्षा अलर्ट के दृष्टिगत यातायात पुलिस को परीक्षा केन्द्रों के आसपास सुचारु एवं व्यवस्थित यातायात व्यवस्था बनाए रखने हेतु निर्देशित किया गया है। इसके अतिरिक्त पुलिस को होटल, ढाबों, धर्मशालाओं, रेस्टोरेंट एवं होमस्टे आदि स्थानों की सतत निगरानी एवं चेकिंग के साथ संदिग्ध व्यक्तियों एवं गतिविधियों पर विशेष नजर रखने हेतु अभिसूचना इकाई एवं एसओजी टीमों को भी अलर्ट मोड पर रखा गया है।

पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी कमलेश उपाध्याय ने बताया कि चस्स्ष्ट द्वारा आयोजित स्नातक स्तरीय परीक्षा हेतु जनपद में कुल 21 परीक्षा केन्द्र स्थापित किए गए हैं, जिनमें 17 परीक्षा केन्द्र उत्तरकाशी मुख्यालय क्षेत्र तथा 4 परीक्षा केन्द्र बड़कोट सर्किल में स्थित हैं। परीक्षा को प्रभावी एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के लिए सम्पूर्ण जनपद को 2 सुपर जोन, 5 जोन एवं 10 सेक्टरों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर पर्याप्त पुलिस बल एवं अभिसूचना टीमों की तैनाती की गई है। साथ ही मेटल डिटेक्टर के माध्यम से सघन जांच व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। उत्तरकाशी पुलिस निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शान्तिपूर्ण परीक्षा सम्पन्न कराने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता एवं सतर्कता के साथ कार्य कर रही है।

ब्रीफिंग के दौरान पुलिस उपाधीक्षक उत्तरकाशी जनक सिंह पंवार, प्रतिसार निरीक्षक शिवकुमार, एसएचओ कोतवाली दिनेश कुमार, एसएचओ धरासू मनोज असवाल, एसएचओ मनेरी दीपक नौटियाल, निरीक्षक अभिसूचना विकास नौटियाल, निरीक्षक यातायात सुनील कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे, पुलिस उपाधीक्षक बडकोट चंचल शर्मा व बडकोट सर्किल के पुलिस अधिकारी द्वारा मीटिंग में वर्चुअल प्रतिभाग किया गया।

बैठक के उपरांत पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद मुख्यालय एवं आसपास स्थित परीक्षा केन्द्रों का भौतिक निरीक्षण कर सुरक्षा एवं परीक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। परीक्षा केन्द्रों में स्थापित जैमर, प्रवेश द्वार एवं कंट्रोल रूम में लगे सीसीटीवी कैमरों की क्रियाशीलता, परीक्षा कक्षों की व्यवस्था, सीटिंग प्लान, प्रवेश-निकास व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं व व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

एक नजर

पुरानी रंजिश में तीन भाइयों पर हमला, कार में तोड़फोड़, मुकदमा दर्ज

पथ प्रवाह, हरिद्वार। थाना क्षेत्र के बोडाहेड़ी गांव में पुरानी रंजिश को लेकर तीन सगे भाइयों पर हमला करने, कार में तोड़फोड़ करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगा है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बोडाहेड़ी निवासी अमजद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 8 जून को वह अपने भाई रहमान की शांति भंग के मामले में जमानत कराने एसडीएम न्यायालय हरिद्वार गए थे। शाम को जमानत प्रक्रिया पूरी होने के बाद वह परिवार के अन्य सदस्यों के साथ कार से गांव लौट रहे थे। कार उनका भाई गुफरान चला रहा था। शिकायत के अनुसार, शाम करीब 8.15 बजे इलताफ के घर के पास पहुंचते ही पुरानी रंजिश के चलते मुस्तलीन, मुन्जीर और मुजम्मिल ने उनकी कार को रोककर ईंट-पत्थरों और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में कार के शीशे समेत अन्य हिस्सों को नुकसान पहुंचा। अमजद का कहना है कि पूरी घटना पास स्थित एक मदरसे में लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हुई है, जिससे मामले की जांच में मदद मिल सकती है। पीड़ित ने आरोप लगाया कि घटना के बाद आरोपी पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। थाना प्रभारी रविंद्र कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और सीसीटीवी फुटेज सहित अन्य साक्ष्यों को खंगाला जा रहा है।

वरिष्ठ नागरिकों को नि :शुल्क तीर्थ यात्रा का अवसर, आवेदन शुरू

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा। उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 'दीन दयाल मातृ-पितृ तीर्थाटन योजना' के तहत वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क तीर्थ यात्रा कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। योजना के अंतर्गत 60 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को प्रदेश के विभिन्न धार्मिक एवं तीर्थ स्थलों की मुफ्त यात्रा कराई जाएगी। जिला पर्यटन विकास अधिकारी ने बताया कि पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी पात्र वरिष्ठ नागरिकों को यात्रा, आवास और अन्य आवश्यक सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी। योजना का उद्देश्य बुजुर्गों को प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन कराने के साथ उन्हें सम्मानजनक यात्रा सुविधा प्रदान करना है। योजना के तहत गंगोत्री धाम, बद्रीनाथ धाम, मीठा-रीठा साहिब, नानकमत्ता, कलियर शरीफ, ताड़केश्वर, कालिका, ज्वालपा, कालीमठ, जागेश्वर, गैराड़ गोलू, बैजनाथ, गंगोलीहाट तथा महासू देवता (हनोल) सहित राज्य के विभिन्न धार्मिक स्थलों की यात्रा कराई जाएगी। योजना का लाभ लेने के इच्छुक 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक अपने आवेदन जिला पर्यटन विकास अधिकारी कार्यालय, अल्मोड़ा में किसी भी कार्यदिवस पर जमा कर सकते हैं। योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिए जिला पर्यटन कार्यालय के दूरभाष नंबर 05962-230180 पर संपर्क किया जा सकता है।

मजखाली में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सड़क सुरक्षा का संदेश

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में चलाए जा रहे 'सड़क सुरक्षाः जीवन रक्षा' सात दिवसीय जागरूकता अभियान के तहत शुक्रवार को मजखाली में नुक्कड़ नाटक आयोजित कर लोगों को यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनामिका सिंह के निर्देशानुसार 8 जून से 14 जून तक चल रहे अभियान के क्रम में अधिकार मित्र संदीप सिंह नयाल और पंकज भगत ने मजखाली क्षेत्र में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान उपस्थित लोगों को यातायात नियमों, सड़क संकेतों तथा सुरक्षित वाहन संचालन के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में केंद्र सरकार की 'राहवीर योजना-2025' की भी जानकारी दी गई। बताया गया कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की स्वर्णिम घंटे (गोल्डन आवर) के भीतर सहायता करने वाले व्यक्ति को 'गुड सेमेरिटन' के रूप में चयनित कर भारत सरकार के सड़क सुरक्षा कार्यक्रम के तहत 25 हजार रुपये तक की नकद पुरस्कार राशि और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान लोगों को सड़क सुरक्षा संबंधी पंपलेट भी वितरित किए गए तथा दुर्घटनाओं को रोकने के लिए यातायात नियमों का पालन करने की अपील की गई।

मध्य प्रदेश की मंत्री सावित्री ठाकुर ने की मनसा देवी मंदिर में पूजा अर्चना

अखाड़ा परिषद अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी से आशीर्वाद

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

हरिद्वार आयी मध्य प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री सावित्री ठाकुर ने मनसा देवी मंदिर में पूजा अर्चना कर देश और समाज के कल्याण की कामना की और अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज से आशीर्वाद लिया।

श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने कहा कि मां मनसा देवी सभी का कल्याण करती हैं। उन्होंने कहा कि महिला एवं बाल विकास मंत्री सावित्री ठाकुर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री मोहन यादव की कल्याणकारी योजनाओं का कुशलतापूर्वक संचालन करते हुए समाज के कमजोर वर्ग को लाभान्वित कर रही हैं। श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने सावित्री ठाकुर को अगले वर्ष होने वाले कुंभ मेले में हरिद्वार आने का निमंत्रण भी दिया। सावित्री ठाकुर ने कहा कि हरिद्वार धर्म और अध्यात्म की नगरी है। मां मनसा देवी के दर्शन और

पूजन कर उन्हें बेहद सुखद अनुभूति हो रही है। उन्होंने कहा कि मां मनसा देवी और मां गंगा के आशीर्वाद से आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा जीत दर्ज करेगी और 2029 के लोकसभा चुनाव में भारी बहुमत के साथ जीत दर्ज कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पुनः भारत का नेतृत्व करेंगे। उन्होने कहा कि अखाड़ा परिषद अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज के नेतृत्व में जिस प्रकार प्रयागराज महाकुंभ दिव्य और भव्य स्वरूप में संपन्न हुआ है। उसी प्रकार हरिद्वार कुंभ मेला भी सनातन की दिव्य छठा प्रस्तुत करेगा। इस दौरान निरंजनी अखाड़े के सचिव श्रीमहंत रामरतन गिरी, महंत दर्शन भारती, महामंडलेश्वर स्वामी ललितानंद गिरी, महामंडलेश्वर स्वामी वेदमूर्ति, महंत राज गिरी, मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टी अनिल शर्मा, सीमा शर्मा, प्रबंधक महेश दुबे आदि शामिल रहे।

लक्सर में देर रात दो बड़े रेस्क्यू, वन विभाग ने टाला बड़ा खतरा

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

लक्सर वन क्षेत्र में देर रात उस समय हड़कंप मच गया जब दो अलग-अलग स्थानों पर मगरमच्छ दिखाई देने की सूचना मिली। एक मगरमच्छ खेत में पहुंच गया, जबकि दूसरा सीधे एक घर के बाथरूम में घुस आया। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और दोनों मगरमच्छों का सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर उन्हें सुरक्षित उनके प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया।

वन क्षेत्राधिकारी महेंद्र गिरी ने बताया कि पहला मगरमच्छ ग्राम न्यामतपुर में श्रवण पुत्र ऋषिपाल के खेत में देखा गया। वहीं दूसरा मगरमच्छ ग्राम खेड़ी कला में कृष्ण शर्मा के घर के बाथरूम में घुस गया, जिससे परिवार और आसपास के लोगों में दहशत फैल गई।

वन विभाग की टीम ने पूरी सतर्कता और सावधानी के साथ दोनों स्थानों पर रेस्क्यू अभियान चलाया। कड़ी मशक्कत के बाद मगरमच्छों को सुरक्षित पकड़ लिया गया और बाद में उन्हें उनके प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया गया। रेस्क्यू अभियान में वन कर्मी

गुरजंट सिंह, भोपाल सिंह और शिव कुमार गुप्ता की अहम भूमिका रही। टीम की तत्परता और अनुभव के चलते दोनों अभियान बिना किसी नुकसान के सफलतापूर्वक संपन्न हुए।

वन विभाग ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि बरसात और जलभराव के मौसम में मगरमच्छ तथा अन्य वन्यजीव आबादी वाले क्षेत्रों में पहुंच सकते हैं। ऐसी स्थिति में घबराने के बजाय तुरंत वन विभाग को सूचना दें और स्वयं वन्यजीव को पकड़ने या छेड़ने का प्रयास न करें।

वन विभाग की त्वरित कार्रवाई से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली और टीम के कार्य की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।

लाखों श्रद्धालुओं के संभावित आगमन को देखते हुए सुरक्षा, यातायात एवं कानून व्यवस्था के लिए व्यापक इंतजाम, मेला क्षेत्र को 06 सुपर जोन, 16 जोन एवं 46 सेक्टरों में विभाजित किया

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

तीर्थ नगरी हरिद्वार में आयोजित होने वाले सोमवती अमावस्या स्नान पर्व-2026 को सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से आज ऋषिकुल आयुर्वेदिक कॉलेज स्थित सभागार में जिलाधिकारी हरिद्वार श्री मयूर दीक्षित एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह द्वारा संयुक्त रूप से पर्व ड्यूटी में नियुक्त पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की विस्तृत ब्रीफिंग की गई।

हिन्दू धर्म में विशेष महत्व रखने वाले इस पर्व पर हरकी पैड़ी सहित विभिन्न घाटों पर लाखों श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना को देखते हुए सुरक्षा एवं भीड़ प्रबंधन के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। सम्पूर्ण मेले का प्रभारी अधिकारी एसपी सिटी को नियुक्त किया गया है।

ब्रीफिंग के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण, संदिग्ध गतिविधियों पर सतर्क निगरानी, एंटी-सबोटाज चेकिंग, अफवाहों की रोकथाम, घाटों पर सुरक्षा, जल पुलिस की तैनाती, संचार व्यवस्था एवं आमजन के साथ शालीन व्यवहार बनाए रखने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

विशेष रूप से हरकी पैड़ी एवं प्रमुख स्नान घाटों पर भीड़ का दबाव बढ़ने की स्थिति में श्रद्धालुओं को वैकल्पिक घाटों की ओर डायवर्ट करने, जेबकतरों एवं उठाईगिरों पर निगरानी रखने, रात्रिकालीन गश्त बढ़ाने तथा सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सतत समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

एसएसपी हरिद्वार ने सभी पुलिसकर्मियों से कहा कि अत्यधिक भीड़ की स्थिति में मौके पर मौजूद प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी स्वयं को जिम्मेदार अधिकारी समझते हुए जनहित में त्वरित एवं विवेकपूर्ण निर्णय लें तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

ब्रीफिंग के दौरान दिए गए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश-

1. सम्पूर्ण मेला क्षेत्र को 06 सुपर जोन, 16 जोन एवं 46 सैक्टर्स में विभाजित किया गया है। जनपद के रेलवे स्टेशन, हरकी पैड़ी आदि स्नान स्थलों पर विशेष सतर्कता बरतते हुए किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु दिखने पर संयत रहकर तत्काल ब्ध्क्ष्ै टीम व श्वान दल से सम्पर्क स्थापित करें व लगातार एण्टीसबोटाज एवं फिस्किंग की कार्यवाही की जाए।

2. मेले मे बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन हेतु अभियान चलाया गया है तथा संदिग्ध व्यक्तियों/संदिग्ध वाहनों की चैकिंग की कार्यवाही भी करायी गई है। फिर भी मेले के दौरान इस प्रकार की घटनाओं की रोकथाम हेतु जनपद में प्रवेश करने वाले तथा जनपद से प्रस्थान करने वाले सभी वाहनों की चैंकिंग की जाएगी कि कहीं पर कोई संदिग्ध वस्तु तो छुपाकर नहीं रखी गई है।

3. ड्यूटी पर नियुक्त प्रत्येक पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी को यह मालूम होना चाहिये कि उसकी ड्यूटी क्या है, उसे क्या करना है और क्या नहीं करना है,उसके निकटवर्ती पुलिस कर्मी एवं महत्वपूर्ण नम्बर उसके पास अवश्य हों। साथ ही कोई अधिकारी/कर्मचारी ड्युटी के दोरान अनावश्यक रूप से मोबाईल फोन का प्रयोग नही करेगा।

4. पूर्व में जारी ट्रैफिक प्लान सभी को स्पष्ट रूप से मालूम होना चाहिये। जिससे कि वाहनो को सही मार्ग पर रवाना कर भीड़ को नियन्त्रित किया जा सके।

5. मेले के दोरान किसी भी तरह की अफवाहों को न फैलने दें। चेतक/ मोबाईल वाहन निरन्तर अपने-अपने क्षेत्र मे भ्रमण पर रहेगे व गडबडी फैलाने वाले तत्वों पर सतर्कता दृष्टिग रखते हुये अपने उच्चाधिकारियों को सूचित करेंगे।

6. समस्त जोनल प्रभारी/सैक्टर प्रभारी ड्यूटी स्थल पर कर्मचारीगण को उसकी ड्यूटी के विषय में भंली भांति ब्रीफ कर लें। यदि कर्मचारी को अपनी ड्यूटी के सम्बन्ध में कोई भी भ्रम हो तो अपने उच्चाधिकारी से अवश्य पूछे।

7. व्यवहार शालीन एव दृढ हो यह सुनिश्चित कर लिया जाय। पुलिसकर्मी से आमजन को बहुत अपेक्षायें होती हैं, इसलिए ऐसा कोई भी कार्य या व्यवहार न करें जिससे आप स्वयं ही समस्या एवं कानून व्यवस्था को प्रभावित करने का मुद्दा बन जायें।

8. सैक्टर अधिकारी एवं जोनल अधिकारी अपने अधीनस्थों के साथ आज शाम ही अपने-अपने सैक्टरो मे गोष्ठी कर डयूटी मे आने वाली समस्या का निराकरण करें।

9. ड़्यूटी पर नियुक्त सभी अधिकारी एंव कर्मचारीगण आपस में कम्यूनिकेशन बनायें रखें, लगातार सम्पर्क में रहें, महत्वपूर्ण सूचनाओं को आपस में लगातार साझा करते रहें।

10-रात्रि में ड्यूटी पर नियुक्त पुलिस बल किसी भी दशा में मुख्य सड़क मार्ग पर वाहनों को अनावश्यक रूप से पार्क न होने दें।

11. मेले ड्यूटी में नियुक्त सभी अधि0 अपने सीमावर्ती सैक्टर व जोनल प्रभारियों का मोबाईल नम्बर, जल पुलिस, बम स्क्वायड प्रभारी आदि महत्वपूर्ण नम्बरों को अपने पास अवश्य रखें व अपने प्रतिस्थानी के आने पर ही अपनी डियूटी प्वाइंट छोडें

12. स्नान पर्व के दिन प्रातः दो बजे ही घाटों पर सो रहे श्रद्धालुओं को जगाकर घाटों को खाली कर दिया जाये जिससे कि श्रद्धालुगण आसानी से स्नान कर अपने गन्तव्य के लिये रवाना हो सकें

13. जेब कतरों एंव उठाईगिरों परसतर्क दृष्टि रखने हेतु सादे वस्त्रों में नियुक्त फोर्स निरन्तर घाटों एंव भीड़ भाड वाले स्थानों पर भ्रमणशील रहेगें।

14. ढ्ढठ्ठह्य. स्ब्ठ्ठ संवेदनशील स्थानो पर अभिसूचना कर्मियो को नियुक्त कर लाभप्रद सूचना से अवगत कराना सुनिश्चित करेगें।

15. हरकी पैडी स्थल के प्रमुख स्नान घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ 80 प्रतिशत से अधिक होने की दशा में भीड को अन्य घाटों पर डायवर्ट कराया जाये। सम्बन्धित जोनल अधिकारी उक्त कार्यवाही को तत्समय सम्पादित कराये जाने हेतु पूर्ण उत्तरदायी होंगे

16. श्रद्धालुओं के स्नान करते समय घाटों पर फिसलने, डूबने व बहने की दशा में उनके बचाव हेतु जल पुलिस नियुक्त की गयी है, जो स्नान पर्व के दौरान डूबने की घटनाओं के दौरान रोकथाम एवं बचाव कार्य करेगें।

17. हरकी पैड़ी की और आने वाले प्रत्येक पुल के दोनों किनारों पर नियुक्त पुलिस बल को रस्से दिये जायें ताकि श्रद्धालुओं की आकस्मिक भीड़ होने पर हरकी पैडी के निकट घाटों पर भीड को डायवर्ट किया जा सके।

इन बिन्दुओं के प्रभारी जोनल अधिकारी हरकी पैडी से सामन्जस्य स्थापित करते हुये तत्काल भीड को नियन्त्रित करेगें।

18. सभी कर्मचारी अपने साथ सीटी और डंडा अवश्य रखेंगे। बढ़ते तापमान को देखते हुए अपने साथ पानी की बोतल व अगर हो सके तो उसमें थोड़ा नमक, चीनी एवं नींबू डालकर रखें व अपने शरीर को पूरी तरीके से हाइड्रेटेड रखें। ज्यादा गर्मी होने के कारण पानी अधिक पिएं। हैवी खाने से बचें एवं अपने शरीर को हल्का रखें ताकि शरीर चुस्त एवं फुर्तीला रहे।

19. पर्व में अत्यधिक भीड़ की दशा में सभी प्वाइंट पर अधिकारीगण का पहुंच पाना संभव नहीं ।

उक्त अवसर पर पुलिस एवं प्रशासन के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे

पुलिस फोर्स-
सहायक/अपर पुलिस अधीक्षक-06
पुलिस उपाधीक्षक-13
निरीक्षक / थानाध्यक्ष-15
सब-इंस्पेक्टर / सब-इंस्पेक्टर-72
महिला उ0नि0-09
मुख्यआरक्षी / आरक्षी-232
महिला मुख्यआरक्षी/आरक्षी-50
निरीक्षक यातायात-2
सब-इंस्पेक्टर / सब-इंस्पेक्टर-11
मुख्यआरक्षी / आरक्षी यातायात-17
अभिसूचना ईकाई-14 कर्मगण
बी.डी.एस. टीम/डॉगस्कवॉड-02 टीम
घुड़सवार पुलिस-03 टीम
जल पुलिस-15 कर्म0गण
पीएसी-02 कम्पनी 02 प्लॉटून
उ0नि0 प्रशिक्षु पीटीसी-188
रिक्रूट आरक्षी 40 पीएसी-230
रिक्रूट आरक्षी पुलिस लाईन-209
होमगार्ड जवान-200
पी0आर0डी0 जवान-200

सुनियाकोट-ओलिया मोटर मार्ग का शुभारंभ, दशकों पुराना सपना हुआ साकार

पथ प्रवाह, सोमेश्वर/अल्मोड़ा।

कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने कंडारकुआं मंडल के अंतर्गत सुनियाकोट-मटीला मोटर मार्ग से ओलिया गांव तक प्रस्तावित 3 किलोमीटर लंबे मोटर मार्ग निर्माण कार्य का वैदिक मंत्रोच्चार एवं पूजा-अर्चना के साथ विधिवत शुभारंभ किया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीणों एवं महिलाओं ने निर्माण कार्य प्रारंभ होने पर खुशी व्यक्त की। ग्रामीणों ने कहा कि वर्षों से सड़क सुविधा के अभाव में उन्हें अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। अब इस मोटर मार्ग के निर्माण से आवागमन सुगम होगा तथा शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंच आसान बनेगी।

इस मौके पर कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि ओलिया गांव के लिए मोटर मार्ग निर्माण ग्रामीणों का कई दशकों पुराना सपना था, जो आज साकार होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के अंतिम छोर तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। 77 लाख की लागत से बनने वाली यह सड़क स्थानीय मातृशक्ति और ग्रामीणों के जीवन को सरल बनाने के साथ-साथ क्षेत्र के विकास को भी नई गति प्रदान करेगी।

सीनियर सिटीजन फोरम के सम्मान समारोह में 96 साल ललित मदान और 93 साल के शिव नारायण ने सबका दिल जीता

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

सीनियर सिटीजन फोरम हरिद्वार द्वारा एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन सिडकुल के एक होटल में किया गया। कार्यक्रम में 75 वर्ष और 85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर मुख्य अतिथि डॉ. आशीष गौतम, जगदीश लाल पाहवा, एम.के. रैना, एस.के. अग्रवाल, अजीत कुमार जैन, डॉ राधिका नागरथ ने संयुक्त रूप से किया ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में दिव्य प्रेम सेवा मिशन के संस्थापक अध्यक्ष डॉ आशीष गौतम ने कहा कि सीनियर सिटीजन फोरम हरिद्वार बुजुर्गों को एक जुट कर उनको एक सार्थक मंच प्रदान कर रहा है और उनके जीवन में एक नई दिशा और उमंग का संचार कर रहा है,जो मानवता के लिए बहुत बड़ा कार्य है। उन्होंने कहा कि आज मुझे यहां आकर इतने सारे बुद्धिजीवी और अपने-अपने समय में राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित होकर कार्य करने वाले बुजुर्गजनों का आशीर्वाद मिला और जिससे मुझमे नई ऊर्जा का संचार हुआ। उन्होंने कहा कि सीनियर सिटीजन फोरम से जुड़े हुए हमारे बुजुर्ग इंजीनियरिंग, शिक्षा, चिकित्सा तथा विभिन्न क्षेत्रों में अपने काम को लेकर विख्यात रहे हैं और उन्होंने लंबे समय तक राष्ट्र निर्माण में अपनी अहम भूमिका निभाई है। फोरम के अध्यक्ष अजीत जैन ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि फोरम का गठन मानवीयता के उद्देश्य से किया गया था ताकि बुजुर्गों के जीवन के हर पल का उपयोग समाज के निर्माण में किया जा सके और अपने इस उद्देश्य को धरातल पर उतरने में फोरम सफल रहा है।

अतिथियों का आभार जताते हुए संस्था के सचिव एस के अग्रवाल ने कहा कि सीनियर सिटीजन फोरम हरिद्वार का गठन 2 अगस्त 2010 को किया गया था। जिसका उद्देश्य बुजुर्गों का एकांकी जीवन समाप्त कर उन्हें सामूहिक रूप से एकत्र कर नई ऊर्जा के संचार के लिए किया गया था। ताकि वे अपने जीवन के इस पड़ाव में भी में भी राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान प्रदान कर सके और इस मकसद में सीनियर सिटीजन फोरम सफल रहा है। उन्होंने बताया कि आज सीनियर सिटीजन फोरम से लगभग 600 से ज्यादा बुजुर्ग जुड़े हुए हैं। अग्रवाल ने वर्ष भर में आयोजित कार्यक्रमों का ब्योरा प्रस्तुत किया गया। भविष्य में प्रस्तावित योजनाओं की जानकारी दी ।सह कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार गुप्ता ने वर्ष 2025-26 का आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया, जिसे कार्यकारिणी ने सर्वसम्मति से पास किया।मंच का संचालन एस.के. अग्रवाल, सरोज जैन एवं संगीता गुप्ता ने संयुक्त रूप से किया। चैस प्रतियोगिता के प्रतिभागियों अजीत टंडन, नरेश मनमानी, रमेश चंद्र वाजपेयी को पुरस्कृत किया गया ।

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर जनपद के सभी विकास खंडों में लगे जन-कल्याण शिविर

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

शासन के निर्देशों के अनुपालन में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जनपद हरिद्वार के सभी विकास खंडो बहादराबाद, लक्सर, खानपुर, रुड़की, भगवानपुर एवं नारसन में व्यापक स्तर पर जन-कल्याण शिविरों का आयोजन किया गया।

इन शिविरों का उद्देश्य केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं जिनमें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, कृषि यंत्रीकरण, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, प्राकृतिक खेती, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), पोषण अभियान, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, आंगनबाड़ी सेवाओं एवं महिला एवं बाल विकास से संबंधित विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई।

शिविरों में समाज कल्याण, कृषि, खाद्य आपूर्ति, लोक निर्माण विभाग, वन विभाग, पंचायती राज, सहकारिता, आंगनवाड़ी, आशा, पशुपालन, उद्यान एवं श्रम विभाग सहित विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए। इन स्टॉलों के माध्यम से आमजन को योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई, पात्र लाभार्थियों का मौके पर पंजीकरण किया गया तथा कई योजनाओं के अंतर्गत लाभ भी वितरित किए गए। स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं, ग्राम स्तरीय संगठनों एवं विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों की सक्रिय

भागीदारी रही।

बहादराबाद विकास खंड

खंड विकास अधिकारी कार्यालय में आयोजित शिविर में आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, लखपति दीदी योजना सहित विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत पंजीकरण किया गया। ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया गया।

ब्लॉक प्रमुख आशा नेगी एवं खंड विकास अधिकारी मानस मित्तल ने उपस्थित ग्रामीणों को सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए उनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग द्वारा किशोरियों के स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सुधार हेतु 20 बालिकाओं को किशोरी किट वितरित की गई तथा 02 गर्भवती महिलाओं को पोषण टोकरी प्रदान की गई। साथ ही गोद भराई कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। विकास खंड बहादराबाद शिविर में कुल 368 व्यक्तियों ने प्रतिभाग किया, 17 विभागों द्वारा सेवाएं प्रदान की गईं तथा लगभग 245 लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ/जानकारी उपलब्ध कराई गई।

लक्सर विकास खंड

उपजिलाधिकारी अनिल कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में आयोजित शिविर में पूर्व विधायक संजय गुप्ता एवं ग्राम प्रमुख डॉ. हर्ष कुमार दौलत की उपस्थिति रही। शिविर में तहसील स्तर के अधिकांश विभागों ने सक्रिय सहभागिता की। ग्रामोत्थान योजना के अंतर्गत सीएलएफ समूह की 05 महिलाओं को फूड वैन संचालन हेतु 6 लाख रुपये के चेक वितरित किए गए। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (ह्स्स्रू) के अंतर्गत 05 महिला स्वयं सहायता समूहों को 5-5 लाख रुपये के चेक प्रदान किए गए। बाल विकास विभाग द्वारा 05 महिलाओं को मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट वितरित की गई। कार्यक्रम के दौरान विभागीय अधिकारियों द्वारा योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई तथा ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान किया गया।

खानपुर विकास खंड

खानपुर में आयोजित शिविर में 233 व्यक्तियों ने प्रतिभाग किया तथा 09 विभागों द्वारा सेवाएं प्रदान की गईं। इस दौरान 28 लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाभान्वित किया गया। शिविर में किसानों, श्रमिकों एवं आमजन को कृषि, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा एवं खाद्य योजनाओं की जानकारी दी गई। पात्र लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, पंजीकरण एवं अन्य सेवाएं मौके पर उपलब्ध कराई गईं।

रुड़की विकास खंड

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में ब्लॉक प्रमुख श्रीमती लुबना राव की अध्यक्षता में आयोजित शिविर में डिजिटल सेवाएं, बैंकिंग योजनाएं, आयुष्मान कार्ड एवं अन्य जनसेवाओं से संबंधित सुविधाएं प्रदान की गईं। समाज कल्याण विभाग द्वारा गरीब परिवारों की 05 बालिकाओं को विवाह सहायता के रूप में 50-50 हजार रुपये के चेक वितरित किए गए। शिविर में कृषि, पंचायती राज, समाज कल्याण, उद्यान, श्रम, खाद्य आपूर्ति, पशुपालन, लोक निर्माण, सहकारिता, आंगनवाड़ी एवं वन विभाग सहित विभिन्न विभागों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

नारसन विकास खंड

नारसन में आयोजित शिविर में 340 व्यक्तियों ने प्रतिभाग किया तथा 15 विभागों द्वारा विभिन्न सेवाएं प्रदान की गईं। लगभग 190 लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ एवं आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई गई। शिविर में उपस्थित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा आमजन की समस्याओं को सुनकर उनका त्वरित निस्तारण किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी, बैंकिंग प्रतिनिधि एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

भगवानपुर विकास खंड

खंड विकास अधिकारी राजेंद्र कुमार जोशी की अध्यक्षता में आयोजित शिविर में महिलाओं एवं स्वयं सहायता समूहों को विशेष रूप से स्वरोजगार एवं आर्थिक सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी गई। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 03 लाभार्थियों को आवास की चाबियां वितरित की गईं। पशुपालन विभाग द्वारा 03 लाभार्थियों को योजनाओं से लाभान्वित किया गया तथा बाल विकास विभाग द्वारा 05 महिलाओं को मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट प्रदान की गई। शिविर के दौरान आमजन से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं का मौके पर समाधान किया गया।

एक नजर

दर्जा राज्य मंत्री बनने के बाद अल्मोड़ा पहुंचे कुंदन लटवाल का कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा। भारतीय जनता युवा मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं नव-नियुक्त युवा कल्याण परिषद के उपाध्यक्ष दर्जा राज्य मंत्री कुंदन लटवाल के अल्मोड़ा आगमन पर शनिवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। इस दौरान लोधिया से होटल सुनीता सनसिटी तक जुलूस निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए। लोधिया में स्थानीय लोगों ने पुष्पवर्षा कर कुंदन लटवाल का स्वागत किया। इसके बाद होटल सुनीता सनसिटी में भाजपा जिलाध्यक्ष महेश नयाल की अध्यक्षता में स्वागत सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम में विभिन्न मोर्चों और संगठनात्मक इकाइयों के पदाधिकारियों ने पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिह्न भेंट कर उनका अभिनंदन किया। सभा को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष महेश नयाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी हमेशा युवा नेतृत्व को अवसर देने में विश्वास रखती है। उन्होंने कहा कि कुंदन लटवाल को मिला दायित्व युवाओं के प्रति पार्टी के विश्वास को दर्शाता है और इससे संगठन को और मजबूती मिलेगी। पूर्व विधायक कैलाश शर्मा ने कहा कि कुंदन लटवाल सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और नीतियों को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। वहीं पूर्व विधायक एवं पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह चौहान ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित पार्टी है और युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाने की पार्टी की सोच संगठन को नई ऊर्जा प्रदान कर रही है।

अपने संबोधन में कुंदन लटवाल ने पार्टी नेतृत्व, संगठन और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका निर्वहन वह पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना और संगठन को मजबूत बनाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार जनकल्याण एवं विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा कार्यकर्ताओं की एकजुटता और समर्पण के बल पर आगामी विधानसभा चुनावों में पार्टी बेहतर प्रदर्शन करेगी। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष महेश नयाल, पूर्व विधायक एवं पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह चौहान, पूर्व विधायक कैलाश शर्मा, ब्लॉक प्रमुख हिमानी कुंडू, नीमा आर्या, पूर्व दर्जा राज्य मंत्री बिट्टू कर्नाटक, सिकंदर पवार, दुग्ध संघ अध्यक्ष गिरीश खोलिया, पूर्व कोऑपरेटिव अध्यक्ष ललित लटवाल, सुभाष पांडे मनीष जोशी कार्यक्रम का संचालन भाजपा नगर अध्यक्ष विनीत बिष्ट ने किया सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सपा ने किया ग्राम बंजारेवाला में पीडीए चौपाल का आयोजन

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

समाजवादी पार्टी द्वारा ज्वालापुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बंजारेवाला में पीडीए चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। इस दौरान समाजवादी पार्टी के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष महंत शुभम गिरी ने ग्रामीणों के साथ क्षेत्र की समस्याओं, सामाजिक न्याय, संविधान की रक्षा तथा मिशन 2027 को लेकर चर्चा करते हुए पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक (पीडीए) समाज की एकता, सामाजिक समानता और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान केंद्र सरकार की नीतियों के चलते बढ़ रही महंगाई और बेरोजगारी से सबसे अधिक पीडीए समाज के लोग प्रभावित हो रहे हैं। लगातार आसमान छू रही महंगाई के चलते गरीबों के लिए परिवार का पालन पोषण करना भी मुश्किल हो रहा है। पढ़े लिखे युवा रोजगार के लिए भटक रहे हैं। महंत शुभम गिरी ने कहा कि पीडीए चौपाल के आयोजन से क्षेत्र में समाजवादी आंदोलन को नई ऊर्जा और

मजबूती मिलेगी। उन्होंने बताया कि कहा कि चौपाल के दौरान सभी ने मिशन 2027 को सफल बनाने तथा समाजवादी विचारधारा को जन-जन पहुंचाने के लिए संगठित होकर कार्य करने का संकल्प लिया। आशीष यादव ने कहा कि पीडीए समाज को एकजुट होकर सरकार की जनविरोधी नीतियों का विरोध करना होगा। इस दौरान ग्रामीणों ने भी अपने सुझाव एवं समस्याएं रखी। पार्टी पदाधिकारियों ने समस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर सुमन देवी, सपा छात्र सभा के प्रदेश अध्यक्ष ओशियाना यादव, रमाशंकर, युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आशीष यादव, आंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राव धन्नू, सपा नेता मौसम अली चौधरी, महिपाल, सपा पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रामसिंह सागर, विनोद गौड सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एसएमजेएन पीजी कॉलेज में 16 जून से तीरंदाज़ी का महाकुंभ, देशभर से जुटेंगे 500 से अधिक धनुर्धर

पथ प्रवाह, हरिद्वार। हरिद्वार के एसएमजेएन पीजी कॉलेज का खेल मैदान आगामी 16 जून से एक भव्य ऐतिहासिक खेल आयोजन का गवाह बनने जा रहा है। कॉलेज परिसर में राष्ट्रीय स्तर के 'तीरंदाज़ी महाकुंभ' का आगाज़ होने जा रहा है, जिसमें अपनी तीरंदाज़ी कला का जौहर दिखाने के लिए देश के कोने-कोने से धुरंधर जुटेंगे।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष करेंगे उद्घाटन

भव्य खेल महोत्सव का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्रीमहंत डॉक्टर रवींद्र पुरी जी महाराज (अध्यक्ष, अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं अध्यक्ष, कॉलेज प्रबंधन समिति) द्वारा किया जाएगा। महाराज श्री के सानिध्य में इस प्रतियोगिता का शुभारंभ पूरे विधि-विधान और भव्यता के साथ होगा।

विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे प्रो. बत्रा

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उत्तराखंड राज्य उच्च शिक्षा परिषद के सदस्य एवं महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डॉक्टर

सुनील कुमार बत्रा उपस्थित रहकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करेंगे।

500 से अधिक प्रतिभागी लेंगे हिस्सा

संस्था आरजेके. फाउंडेशन के संरक्षक नरेश चौहान, डायरेक्टर रमेश प्रसाद ने बताया कि इस तीरंदाज़ी महाकुंभ को लेकर खिलाड़ियों में भारी उत्साह है। प्रतियोगिता में संपूर्ण देश के विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों से 500 से अधिक शीर्ष धनुर्धर और प्रतिभागी अपनी चुनौती पेश करने हरिद्वार पहुंच रहे हैं। खेल मैदान पर तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है ताकि बाहर से आने वाले खिलाड़ियों को एक बेहतरीन खेल माहौल मिल सके। यह आयोजन न केवल उत्तराखंड बल्कि देश के खेल परिदृश्य में तीरंदाज़ी को एक नई ऊंचाई देने का काम करेगा।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com